राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार, 29 नवेम्बर-2021 वर्ष-4, अंक-306 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में प्रदूषण ने तोड़ा चार सालों का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इस दौरान सिर्फ एक दिन ऐसा रहा जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 अंक से नीचे आया हो। बाकी दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक या तो बेहद खराब श्रेणी या गंभीर श्रेणी में रहा। इस पूरे दौर में प्रदूषक कणों का औसत स्तर चार गुना से भी ज्यादा रहा है। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र में वायु गुणवत्ता विशेषज्ञ अविकल सोमवंशी बताते हैं कि प्रदूषण स्तर ज्यादा बढ़ने के पीछे अन्य कारणों के अलावा एक बड़ा कारण यह है कि इस बार समय से रोकथाम के लिए सही कदम नहीं उठाए गए, जिसके चलते प्रदूषण स्तर लगातार बने रहने से रोका नहीं जा सका। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 2.5 का औसत स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होना चाहिए। इस बार यह स्तर अभी तक 246 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। ऐसी हवा में लगातार सांस लेने से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। मानसून की देरी से वापसी के चलते फसलों की कटाई देर से शुरू हुई और कम समयावधि में बहुत सारी पराली जलाई गई, जिसके चलते पराली के धुएं की हिस्सेदारी 48 फीसदी के उच्चतम स्तर तक पहुंची। मानसून के बाद आने वाले पश्चिमी विक्षोभों के चलते दिल्ली समेत पूरे उत्तरी भारत में हल्की बारिश होती रही है। इससे प्रदूषण का स्तर कम होता है। लेकिन, इस बार अबतक एक बार भी पश्चिमी विक्षोभ नहीं आए हैं। दिवाली पर पटाखों पर लगाए गए प्रतिबंध कागजी साबित हुए। दिल्ली-एनसीआर में जमकर पटाखे फोड़े गए। हवा की गति कम होने के चलते इससे निकलने वाला प्रदूषण ज्यादा देर तक हवा में टिका रहा।

यूपीटीईटी की परीक्षा रद्द

केंद्रों तक पहुंचने से पहले ही पेपर वॉट्सएप पर हुआ लीक, अब तक 23 गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आज (रविवार) यानी 28 नंवबर को आयोजित हो रही उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (वढळएळ) का पेपर लीक हो गया है। इसकी वजह से परीक्षा रद्द कर दी गई है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा निरस्त कर दी है। बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक सर्वेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि प्रश्न पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परीक्षा निरस्त करने निर्णय किया गया है। प्रश्नपत्र वॉट्सएप पर लीक हो गया। पेपर लीक होने के बाद एसटीएफ ने प्रदेश भर में छापेमारी की है, प्रयागराज, मेरठ और गाजियाबाद से कई

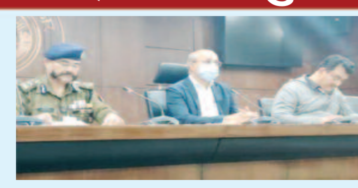

लोग हिरासत में लिए गए हैं। परीक्षा की तिथि का अब बाद में एलान होगा। बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव दीपक कुमार ने बताया कि प्रयागराज में प्रश्न पत्र लीक होने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि पेपर लीक करने वाले 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ चल रही है, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि लखनऊ से चार, मेरठ से तीन, गोरखपुर-वाराणसी से दो, कौशांबी से एक और प्रयागराज से 13 अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने अब तक 23 आरोपी गिरफ्तार किए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य माफियाओं की तरह नकल माफियाओं की भी कमर तोड़ी जाएगी। जो भी इसमें शामिल है उसे बख्शा नहीं जाएगा। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने से पहले ही पेपरे लीक हो गए। छात्रों को उनके घर तक पहुंचाने के लिए यूपीएसआरटीसी ने व्यवस्था की है। अभ्यर्थी परीक्षा का प्रवेश पत्र दिखाकर रोडवेज की बसों से फ्री में अपने घरों को जा सकेंगे। यूपी सरकार एक महीने के भीतर दोबारा यूपीटीईटी की परीक्षा आयोजिते कराएगी। लॉ एंड ऑर्डर, एडीजी, प्रशांत कुमार ने कहा कि अभ्यर्थियों को कोई फीस नहीं देनी होगी। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 (यूपीटीईटी) आज सूबे के सभी जिलों में 2554 केंद्रों पर आयोजित होनी थी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से 12:30 के बीच संपन्न होनी थी।

बुलंदशहरः रिश्तेदारी में गई महिला से अश्लीलता

विरोध करने पर जमीन पर घसीटा और मारा, तीन पर रिपोर्ट दर्ज, वारदात सीसीटीवी में कैद

बुलंदशहर। खुर्जा नगर के पीर जादंगा मोहल्ला में महिला को जबरन घसीट कर ले जा रहे दो युवकों का वीडियो गुरुवार रात को वायरल हो गया। इस मामले में महिला की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट अश्लीलता और जान से मारने की धमकी के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। खुर्जा थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने बताया कि गुरुवार रात को सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज का ` वीडियो वायरल हो गया। इसमें एक महिला को दो युवक जबरन घसीट कर ले जा रहे थे। पुलिस जांच में पता चला कि जहांगीराबाद के एक गांव की महिला अपनी मर्जी से खुर्जा में रहने वाले मुन्ना के पास मिलने आई थी। वह अक्सर मुन्ना से मिलने आती रहती थी। बुधवार रात

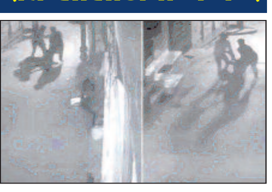

को मुन्ना और उसके बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसमें मुन्ना ने उसके साथ मारपीट भी की। महिला वहां से भागने का प्रयास कर रही थी। तभी मुन्ना और उसके रिश्तेदार छंगा ने महिला को पकड़ लिया और उसको बालों समेत खींचते हुए घर की ओर ले आए। एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि महिला को उसके घर से कोई जबरन उठा कर नहीं लाया गया था। वह अपनी मर्जी से मुन्ना से मिलने आई थी। महिला की शिकायत के आधार पर मुन्ना छंगा और वसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

देवरिया में बोले सीएम योगीः एक माह के अंदर कराई जाएगी यूपीटीईटी की परीक्षा

आरोपियों के घर पर चलेगा बुलडोजर

देवरिया। जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के रघुराज प्रताप सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज में मूर्ति लोकार्पण एवं विकास योजनाओं के शिलान्यास के दौरान रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टीईटी का पर्चा लीक कराने वालों के घर पर बुलडोजर चलेगा। चाहे वह कोई भी क्यों न हो। सभी लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई होगी। अब तक 23 लोग पकड़े गए हैं। जो फरार हैं उन्हें भी गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि टीईटी की परीक्षा एक माह के भीतर कराई जाएगी। अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी

जिला प्रशासन को निर्देश जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड दिखा कर रोडवेज की बसों में यात्रा कर सकते हैं। रोडवेज को इसका निर्देश दे दिया गया है। मुख्यमंत्री ने माफिया का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में ये सरपस्त हुआ करते थे। आज इनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चल रहा है तो कुछ लोगों को बुरा लग रहा है। उन्होंने कहा कि ये और इनके सरपस्त भस्मासुर हैं। आप इन्हें प्रश्रय न दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवरिया और कुशीनगर चीनी का कटोरा हुआ करता था। सपा-बसपा की सरकार ने 21 चीनी मिलों को बेच दिया। मैंने जिला प्रशासन से जमीन उपलब्ध कराने को कहा है। जमीन मिलते ही देवरिया में एक चीनी मिल लगेगी। उन्होंने कहा कि सपा-बसपा की सरकार में आए दिन दंगे होते थे। सपा के पांच वर्ष के शासन में अकेले देवरिया में तीन दंगे हुए। दुर्गा पूजा में लार में दंगा हो जाता था।

सपा-बसपा को फिर लगा झटका

दो पूर्व मंत्रियों समेत कई नेता भाजपा में शामिल

लानऊ। यूपी सरकार के दो पूर्व मंत्रियों समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई और दावा किया कि उनके आने से संगठन और मजबूत होगा। भाजपा मुख्यालय में रविवार को यूपी सरकार के पूर्व मंत्री एवं सुलतानपुर जिले में तीन बार विधायक रहे जयनारायण तिवारी और गाजीपुर के पूर्व विधायक एवं अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी सरकार में मंत्री रहे विजय मिश्रा, बसपा के वरिष्ठ नेता रहे मनोज दिवाकर, जगदेव कुरील, सेवानिवृत्त आईएएस अशोक कुमार सिंह, अधिवक्ता राम शिरोमणि शुक्ल, उन्नाव के पूर्व बसपा प्रत्याशी धर्मेंद्र पांडेय, अजीतमल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मदन गौतम, अयोध्या के

कुंवर अभिमन्यु प्रताप सिंह और लखीमपुर के अखिलेश वर्मा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वाले नेताओं ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीति से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। जयनारायण तिवारी यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्र के प्रतिनिधि और योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 नवंबर को सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्र को स्मरण करते हुए बिना नाम लिए कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि परिवार के दरबारियों ने श्रीपति मिश्र को अपमानित किया।

मन की बात का 83वां एपिसोड

पीएम मोदी बोलेः सत्ता में नहीं, सेवा में रहना चाहता हूं

मैं सिर्फ जनता का सेवक

मोदी बोले-

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। यह मन की बात कार्यक्रम का 83वां एपिसोड था। इस कार्यक्रम का प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो न्यूज और मोबाइल एप पर किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने आयुष्मान योजना से लेकर स्टार्टअप और पर्यावरण पर बात की। पीएम मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर चर्चा करते हुए शहीदों को नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्माण भारत योजना के लाभार्थी राजेश कुमार प्रजापति से बात करते हुए इसके फायदे पूछे तो प्रजापति ने कहा कि मुझे बहुत फायदा हुआ सर मैं आपको हमेशा सत्ता में देखना चाहता हूं। इसपर पीएम मोदी ने कहा कि मुझे सत्ता में जाने का आशीर्वाद मत दीजिए, मैं गरीबों की सेवा के लिए हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज भी सत्ता में नहीं हूं और भविष्य में भी सत्ता में जाना नहीं चाहता हूं। मैं सिर्फ सेवा में रहना चाहता हूं। मेरे लिए ये पद, सत्ता के लिए है ही नहीं, सेवा के लिए है। पीएम मोदी ने कहा कि दिसम्बर महीने में ही एक और बड़ा दिन हमारे सामने आता है जिससे हम प्रेरणा लेते हैं। ये दिन है, छह दिसम्बर को बाबा साहब

अम्बेडकर की पुण्यतिथि। बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन देश और समाज के लिये अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिये समर्पित किया था। पीएम मोदी ने कहा कि स्टार्टअप की दुनिया में आज भारत विश्व में एक प्रकार से नेतृत्व कर रहा है। साल दर साल स्टार्टअप को रिकॉर्ड निवेश मिल रहा है। ये क्षेत्र बहुत तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। देश के हर छोटे-छोटे शहर में भी स्टार्टअप की पहुंच बढ़ी है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के प्रयासों से, सरकार की योजनाओं से कैसे कोई जीवन बदला उस बदले हुए जीवन का अनुभव क्या है? जब ये सुनते हैं तो हम भी संवेदनाओं से भर जाते हैं। यह मन को संतोष भी देता है और उस योजना को लोगों तक पहुंचाने की प्रेरणा भी देता है। प्रकृति से हमारे लिए खतरा तभी पैदा होता है जब हम उसके संतुलन को बिगाड़ते हैं या उसकी पवित्रता को नष्ट करते हैं। प्रकृति मां की तरह हमारा पालन भी करती है और हमारी दुनिया में नए-नए रंग भी भरती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि वीरता केवल युद्ध के मैदान में ही दिखाई जाए ऐसा जरूरी नहीं होता। जब वीरता का विस्तार होता है तो हर क्षेत्र में अनेकों कार्य सिद्ध होने लगते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता` संग्राम में झांसी और बुंदेलखंड का कितना बड़ा योगदान है, ये हम सब जानते हैं। यहां रानी लक्ष्मीबाई और झलकारी बाई जैसी वीरांगनाएं भी हुईं और मेजर ध्यानचंद जैसे खेल रत्न भी इस क्षेत्र ने देश को दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्माण भारत योजना के लाभार्थी राजेश कुमार प्रजापति से बात करते हुए इसके फायदे पूछे तो प्रजापति ने कहा कि मुझे बहुत फायदा हुआ सर मैं आपको हमेशा सत्ता में देखना चाहता हूं। इसपर पीएम मोदी ने कहा कि मुझे सत्ता में जाने का आशीर्वाद मत दीजिए, मैं गरीबों की सेवा के लिए हूं। पीएम मोदी ने कहा कि वृंदावन के बारे में कहा जाता है कि ये भगवान के प्रेम का प्रत्यक्ष स्वरूप है। हमारे संतों ने भी कहा है झ यह आसा धरि चित्त में, यह आसा धरि चित्त में, कहत जथा मति मोर।

मुरादाबाद में हादसाः शादी समारोह में शामिल होने जा रहे रिटायर्ड हेड कांस्टेबल, पत्नी और पोती की मौत

मुरादाबाद। शादी समारोह में शामिल होने अमरोहा जा रहे रिटायर्ड हेड कांस्टेबल, उसकी पत्नी व पोती को ट्रक ने कुचल दिया। पाकबड़ा के कैलसा रोड पर हुए हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनो में कोहराम मचा है। मझोला थाना क्षेत्र के ज्ञानपुर पवन कुमार पुलिस से हेड कॉन्स्टेबल के पद से रिटायर्ड है। पवन कुमार बाइक से अपनी पत्नी सुशीला देवी व 6 वर्षीय पोती अरबी को साथ लेकर अमरोहा में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। पवन कुमार बाइक से पाकबड़ा के अगवानपुर-पाकबड़ा बाईपास पर कैलसा रोड स्थित बाईपास के मोड़ पर पहुँचे तभी सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार दम्पत्ति को कुचल दिया। मौके पर ही पवन कुमार, पत्नी सुशीला और पोती अरबी की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रंजन शर्मा फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठकः महंगाई, कोरोना समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक समाप्त हो गई है। बैठक में नए कृषि कानूनों की वापसी समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में कम से कम 15-20 विषयों पर चर्चा हुई। सभी पार्टियों ने केंद्र सरकार से कहा कि एमएसपी और इलेक्ट्रिक बिल पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही टरढ पर कानून बनाना चाहिए। खड़गे ने कहा, "बैठक में महंगाई, ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, किसानों के मुद्दों और कोरोना सहित

कई मुद्दों को उठाया गया। सभी दलों ने मांग की कि टरढ की गारंटी वाला कानून बनाया जाए। हमने सरकार से मांग की कि कोरोना से जान गंवाने वालों के परिवारों को 4 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। साथ ही कृषि कानूनों के विरोध के दौरान जिनकी मौत हुई है, उन किसानों को भी मुआवजा दिया जाए।" कांग्रेस नेता ने कहा, "हमें उम्मीद थी कि पीएम आज बैठक में शामिल होंगे। लेकिन किसी कारण से वह इसमें शामिल नहीं हुए। सरकार ने कृषि कानूनों को वापस ले लिया है लेकिन मोदी ने कहा था कि वह किसानों को समझा नहीं सके। इसका मतलब है कि भविष्य में इन कानूनों को किसी और रूप में वापस लाया जा सकता है।" मीटिंग के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि आज सर्वदलीय बैठक में 31 दलों ने भाग लिया। विभिन्न दलों के 42 नेता बातचीत का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि सरकार हर उस मसले पर चर्चा के लिए तैयार है, जिस पर स्पीकर ने मंजूरी दी है।

मुसलमानों की 'अपनी' पार्टी नहीं रहीः अब इस दिग्गज कांग्रेसी ने पार्टी को आड़े हाथों लिया, कहाः उपेक्षित महसूस कर रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस एक संकट से उबरती नहीं कि दूसरी मुसीबत आ खड़ी हो जाती है। पार्टी के भीतर बगावती तेवर से जूझ रही कांग्रेस को एक और नेता ने फटकार लगाई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान ने पार्टी के भीतर खुद को "उपेक्षित" करार देते हुए रविवार को कहा कि पार्टी मुस्लिम समुदाय से सही लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं दे रही है और अब मुसलमानों को देश के सबसे पुराने दल को लेकर अपनापन महसूस नहीं हो रहा है जिसका खामियाजा पार्टी भुगत रही है। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पदासीन मुस्लिम नेताओं की योग्यता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि राष्ट्रीय संगठन में मुसलमान समुदाय से सही लोगों को जगह नहीं दी गई है। राज्यसभा के पूर्व उपसभापति ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आजीवन "कांग्रेसमैन" रहेंगे क्योंकि पार्टी छोड़ना उनके डीएनए में नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें हैं कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कर्नाटक में कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है जिसे इन नेताओं को तृणमूल कांग्रेस में शामिल कराने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। खान का कहना है कि उनकी किशोर के साथ कोई मुलाकात नहीं हुई है। रहमान खान संप्रग सरकार के समय 2004 से 2012 तक राज्यसभा के उपसभापति और 2012 से 2014 तक

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री रहे। वह 1994 से 2018 तक लगातार राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। 'इंडियन मुस्लिमः द वे फॉरवर्ड' नामक पुस्तक लिखने वाले 82 वर्षीय खान ने कहा, "देश की 20 करोड़ की आबादी को लगता है कि उसके नेतृत्व की कोई पहचान नहीं है। यह राजनीतिक नेतृत्व देने की उम्मीद कांग्रेस से ही की जा सकती है। कांग्रेस ने (मुस्लिम समुदाय से) अच्छे नेताओं को आगे बढ़ाने को तवज्जो नहीं दी। अगर आप मुस्लिम समुदाय से किसी को भी आगे लाते हैं तो उसकी लोकप्रियता उसके समुदाय में होनी चाहिए। सिर्फ नाम से नुमाइंदगी देने से नेतृत्व नहीं उभरता है।" उन्होंने यह भी कहा, "कांग्रेस में मुस्लिम नेतृत्व नहीं उभर पाया है। यह जरूर है कि दूसरे दलों के मुकाबले कांग्रेस ने मुसलमानों को ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया। लेकिन यह प्रतिनिधित्व देते समय यह ध्यान नहीं किया गया कि कौन सही नेतृत्व है।" यह पूछे जाने पर कि क्या मुस्लिम समुदाय से योग्य लोगों को पार्टी में नहीं बढ़ाया जा रहा है तो रहमान खान ने कहा, "जी बिलकुल।"

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

विकास का 'जेवर'

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएड़ा में अवस्थित जेवर में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के शिलान्यास के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कहा, उसके राजनीतिक आशय तो ढूंढे ही जाएंगेग्पर एक बात साफ है कि उत्तर प्रदेश को एक और ऐसा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट मिलने जा रहा है जो दुनिया भर का चौथा बड़ा और एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट या परिवहन के किसी भी माध्यम से कोई इलाका जुड़ता है, तो इलाके का प्रोफाइल बदल जाता है। नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में रहनेवाले जानते हैं कि एनसीआर के दो इलाकों-गुड़गांव और नोएडा के प्रोफाइल में फर्क है और इस फर्क की कुछ ठोस वजहें हैं। कानून-व्यवस्था की बात अपनी जगह है पर पालम एयरपोर्ट गुड़गांव के करीब होने की वजह से कहीं से भी गुड़गांव तक आवाजाही बहुत आसान हो जाती है। यही वजह है कि वहां बेहतर प्रतिभा और संसाधनों को जुटाना आसान हो जाता है। यह बात सच है कि नई पीढ़ी के बहुत से बच्चे वहां जाना ही पसंद नहीं करते, जहां वायु मार्ग से जाना संभव न हो। ऐसे में जेवर के आसपास का इलाका, नोएडा, अलीगढ़, मथुरा और आगरा समेत कई शहरों का प्रोफाइल इस नये एयरपोर्ट से बदलेगा ऐसी उम्मीद की जा सकती है। आमतौर पर उत्तर प्रदेश की छवि हाल तक विकास के पैमाने पर नकारात्मक ही आंकी जाती रही है। निश्चित तौर पर इस एयरपोर्ट के विकसित होने के बाद अब पूरे उत्तर प्रदेश का प्रोफाइल निवेशकों की निगाह में बदल सकता है। मोदी सरकार आधारभूत ढांचाग सड़क परिवहन और वायु परिवहन में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात आंकड़ों से भी साफ होती है। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के कौशल से हाईवे का जाल बिछ गया है और वो काफी बेहतर बने हैं। 2014 तक देश में करीब 70 एयरपोर्ट कार्यरत थे, अब 130 के करीब एयरपोर्ट कार्यरत हैं। एयरपोर्ट से आवाजाही निरापद और त्वरित होती है, यह बात पूरे विश्व के तजुर्बों से सीखी जा सकती है। इस एयरपोर्ट से करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, यह बात भी कही जा रही है। वास्तव में कितने लोगों को रोजगार मिलेगा, यह तो अलग सवाल हैग पर मूल मुद्दा यह है कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट आने से जिले और प्रदेश का प्रोफाइल तो बदलेगा ही। यह स्वागत योग्य है।

फर्जी मुद्राः संसद खुली बहस करे

संसद के इस सत्र में सरकार क्रीप्टो करेंसी पर कानून बनानेवाली है। यह क्रीप्टो करेंसी क्या है? यदि हम हिंदी या उर्दू में कहें तो कह सकते हैं, काल्पनिक मुद्रा, वैकल्पिक मुद्रा, गुप्त मुद्रा, आभासी मुद्रा, फर्जी मुद्रा! फर्जी शब्द मुझे सबसे सरल लगता है। इसीलिए बिटकॉइन, एथेरियम, अल्टकाइन आदि लगभग इन छह हजार तरह की मुद्राओं को हम फर्जी मुद्रा कहें तो बेहतर होगा। यह फर्जी इसलिए है कि न तो यह किसी चीज की तरह है, नोटों की तरह यह न कागज से बनी है और न ही सिक्कों की तरह यह किसी धातु से बनी है।

इस फर्जी मुद्रा का सरताज अगर कोई है तो वह बिटकॉइन है। इसे 2009 में शुरु किया गया तो इसकी कीमत एक रुपये से भी कम थी और आज उसकी कीमत 65 हजार डॉलर से भी ज्यादा है। सारी दुनिया में इस समय दो करोड़ 10 लाख बिटकॉइन जारी हैं। इनकी कुल कीमत इस वक्त तीन ट्रिलियन आंकी गई है। यह वास्तव में डिजिटल मुद्रा है, जिसका लेन-देन इंटरनेट पर ही होता है। भारत में भी लाखों लोग इसमें लगे हुए हैं, क्योंकि इसमें रातों-रात आप करोड़पति बन सकते हैं। इस बिटकॉइन और दूसरी फर्जी मुद्राओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव भयंकर तूफान की तरह आता है। एक ही झटके में करोड़पति कौड़ीपति होकर रह जाता है। यदि यह मुद्रा ज्यादा खरीदी जाए तो इसकी कीमत बढ़ती जाती है और इसकी खरीद ज्यों ही कम होती है, इसकी कीमत पैंदे में बैठती जाती है।

पिछले हफ्ते मुझे दुबई में एक क्रीप्टो करेंसी के धनी नौजवान से बात करने का मौका मिला। इस समय शायद उसके पास अरबों रुपये हैं लेकिन उसने बताया कि तीन साल पहले जब वह पेरिस में रहता था तो इसी फर्जी मुद्रा के चलते उसका हाल ऐसा हो गया था कि न तो वह मकान-किराया भर पाता था और न ही उसके पास इतने पैसे रह गए थे कि वह मनपसंद खाना भी खा सके लेकिन अब फिर वह मालदार हो गया है। दूसरे शब्दों में यह फर्जी मुद्रा का क्रय-विक्रय किसी द्यूत-क्रीड़ा से कम नहीं है। जिस जुएबाजी के कारण कौरवों-पांडवों का महाभारत हुआ था, यह वैसा ही जुएबाजी का खेल है। लोग इस जुएबाजी को इसीलिए प्यार करते हैं कि इसमें 'हींग लगे न फिटकरी और रंग चोखा आय'! न मेहनत करनी पड़ती है, न कुछ पैदा करना होता है। बस घर बैठे-बैठे तिजोरियां भरनी होती हैं। यह हरामखोरी के अलावा क्या है? इसके अलावा इस फर्जी मुद्रा का लाभ तस्कर, ठग, आतंकवादी और अपराधी लोग जमकर उठाते हैं।

हमारी सरकार संसद में जो विधेयक ला रही है, उसमें निजी फर्जी मुद्रा पर तो प्रतिबंध का प्रावधान है लेकिन सरकार खुद फर्जी मुद्रा रिजर्व बैंक के जरिए जारी करवाना चाहती है। कहीं वह कृषि-कानूनों के वक्त हुई गलती को दोहराने में तो नहीं लगी हुई है? उसे चीन, रूस, मिस्र, वियतनाम, अल्जीरिया, नेपाल आदि देशों से पूछना चाहिए कि उन्होंने इस फर्जी मुद्रा पर पूर्ण प्रतिबंध क्यों लगाया है? मुझे विश्वास है कि भाजपा के सांसद भी इस विधेयक को आंख मींचकर पास नहीं होने देंगे। इस पर सभी सांसद जमकर बहस चलाएंगे।

विदेशी मीडिया

खंडित शांति

आधुनिक नेपाल के सबसे उथल-पुथल कालखंडों में से एक का अंत 21 नवंबर, 2006 को हुआ था, जब नेपाल सरकार और सीपीएन (माओवादी) ने संघर्ष विराम समझौते पर दस्तखत किए थे। नेपाल में उग्रवाद के खात्मे का यह औपचारिक चिह्न भी था। इसने युद्धरत गुटों को स्थायी शांति के लिए बीच का रास्ता तलाशने और एक समतावादी मॉडल के सहारे देश को गरीबी की खाई से निकालकर समृद्धि की ओर ले जाने का मौका मुहैया कराया था। इस दिशा में हमने अब तक कितनी दूरी तय की? क्या शांति समझौते के उद्देश्य हासिल हुए? हम स्थायी शांति हासिल करने पर एकराय तभी हो सकते हैं, जब शांति की परिभाषा निरंतर युद्ध की स्थिति से मुक्त हो। लेकिन मौजूदा परिदृश्य में शांति और स्थिरता दूर की कौड़ी लगती हैं। न्याय के सिद्धांतों की अवहेलना निरंतर जारी है, क्योंकि उस संघर्ष के विभिन्न पक्ष सामूहिक स्मृति-लोप में अपने लिए मौके देखते हैं। पीड़ितों के लिए अब तक न किसी मुआवजे की शुरुआत हुई, न ही आर्थिक समृद्धि की कोई उम्मीद दिखी; वहीं राजनीतिक पार्टियां लगातार अपने ही विशेषाधिकारों के लिए लड़ती रहीं और अपने स्वार्थ पूरे करती रहीं, जबकि आम आबादी विद्रोह के प्रकोप झेलती रही, चाहे वह सरकारी बलों के प्रकोप हों या माओवादी बागियों के। शांति समझौते में यह काफी स्पष्टता के साथ दर्ज किया गया था कि संघर्ष के दौरान मानवता के विरुद्ध किए गए अपराधों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी, लेकिन यह मुद्दा भी बयानबाजियों तक ही सिमटा रहा।

बहरहाल, शांति समझौते की 15वीं वर्षगांठ पर सीपीएन (माओइस्ट सेंटर) के मुखिया पुष्प कमल दाहाल का एक आलेख इसी अखबार में प्रकाशित हुआ है, जिसमें उन्होंने शांति समझौते पर दस्तखत को बड़ी सफलता बताते हुए दावा किया है कि इसकी बदौलत नेपाल में शांति और लोकतंत्र का रास्ता साफ हुआ। दाहाल हाशिये के लोगों के उत्थान का श्रेय भी अपने और अपनी पार्टी को देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि इतने वर्षों के बाद भी हाशिये के लोगों व पीड़ितों को ऐसा कोई विशेषाधिकार या लाभ हासिल नहीं हुआ है, जिसका वह दावा करते हैं।

कुपोषण से मुक्ति की राह दिखाता 'ओबरी'

रामकुमार विद्यार्थी

रीवा जिले के जवा ब्लाक का सबसे आखिरी गांव है ओबरी। पहाड़ियों और जंगलों के बीच स्थित इस आदिवासी बाहुल्य गांव की ज़्यादातर जमीन असिंचित है। बुनियादी सुविधाओं की कमी से घिरे इस गांव की आबादी 860 है। यहां गांव के लोगों की आजीविका का साधन मुख्य रूप से दिहाड़ी मजदूरी और वनोपज़ संग्रहण है। बच्चों को हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए गांव से 15 किमी दूर ग्राम कोटवा जाना पड़ता है। इस गांव मे सितंबर 2015 में जब दस्तक परियोजना की शुरुआत हुई, तब 0 से 5 वर्ष के 26 बच्चे मध्यम और 14 बच्चे अतिकम वजन के थे। उसके बाद से बाल सेवाओं की नियमित सामुदायिक निगरानी व सहयोग, पोषण खानपान संबंधी जागरूकता और पोषण बाड़ी के निरंतर उपयोग से कुपोषित बच्चों और एनीमिक माताओं की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। इस गांव मे स्थानीय समुदाय ने संस्था विकास संवाद के साथ मिलकर बाल स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है।

ओबरी में कार्यरत सामुदायिक कार्यकर्ता सुरेश कुमार कोल बताते हैं कि गांव में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में बदलाव लाने के लिए समुदाय को अपने भरोसे में लेना जरूरी था, सो उन्होंने सबसे पहले स्थानीय स्तर पर मनरेगा योजना से रोजगार दिलाने के लिए ग्राम पंचायत बौसड़ के साथ समन्वित प्रयास किए। इसके साथ ही गांव मे दस्तक महिला, युवा और किशोरी समूह के जरिये समुदाय को एकजुट करने की पहल की गयी, जिनकी कुपोषण को कम करने मे अहम भूमिका रही है। महिलाओं और किशोरियों ने कुपोषण के कारणों की पहचान करते हुये गांव मे नियमित आंगनबाड़ी खुलने, बच्चों एवं माताओं को पोषण व टीकाकरण से जोड़ने का काम किया तो स्वयं भी एनीमिया और सही खानपान को लेकर अपने व्यवहार मे बदलाव किया। महिला समूह ने स्थानीय खाद्य सामग्री के उपयोग से स्वादिष्ट व्यंजन बनाने और सामूहिक प्रस्तुतीकरण के छह से अधिक बार आयोजन किए।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शिवकुमारी यादव के अनुसार दस्तक परियोजना से बच्चों के कुपोषण में कमी आयी है और उन्हें समुदाय का भी अपेक्षित सहयोग मिलने लगा है।

> इस तरह सुविधाओं से वंचित ओबरी गांव ने स्वयंसेवी संस्था विकास संवाद द्वारा संचालित की जा रही दस्तक परियोजना के सहयोग, समुदाय की सक्रिय सहभागिता तथा प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय से काम करते हुये कई गांवों को कुपोषण के सामुदायिक प्रबंधन की राह दिखाई है।

कुपोषण के कारणों को समझते हुये समुदाय ने यह भी देखा कि उनके खाद्यान्न का बड़ा हिस्सा खेती से आता है किन्तु असिंचित भूमि होने तथा रासायनिक खादों के बढ़ते उपयोग से चुनौतियां अधिक बढ़ती जा रही हैं। तब दस्तक परियोजना के साथियों ने गांव में जैविक खेती व स्थानीय जल प्रबंधन से जुड़े काम की शुरुआत की। आज ओबरी गांव के 150 परिवारों में पोषणबाड़ी विकसित हुई है, जिससे हरी पत्तेदार सब्जियाँ व पपीता, अमरूद आदि फल भोजन में नियमित रूप से उपभोग किया जाने लगा है।

गांव के दस्तक युवा समूह ने पंचायत एवं कृषि विकास विभाग से समन्वय करके अल्प पोषण से प्रभावित परिवारों को रोजगार व बीज उपलब्ध कराये जाने को समय - समय पर सुनिश्चित किया और जर्जर पड़े कुओं को श्रमदान से सुधार करते हुये लगभग 60 परिवारों के पेयजल समस्या को सुलझाया है। इसके साथ ही गांव मे नदी पर पुल व पक्की सड़क न होने के कारण जननी सुरक्षा की समस्या को लगातार प्रशासन के समक्ष उठाते हुये समस्या हल हुई है। इस सामुदायिक पहल मे जब सभी अपनी भूमिका निभाने लगे तो बच्चे कैसे पीछे रहते, सो दस्तक बाल समूह ओबरी के 15 बच्चों ने भी लगभग 95 पौधे लगाकर अपने आसपास हरियाली को बढ़ाने का प्रयास किया है। ये बच्चे अपने गांव व जंगल से जुड़े जैव विविधता को जानने- समझने की निरंतर कोशिश कर रहे हैं।

दस्तक महिला समूह सदस्य गुलाबकली यादव का कहना है कि - 'गांव में जब से दस्तक परियोजना शुरू भइ ही ओकरे बाद से गांव के महिलन अपने-अपने बच्चन के देखभाल, साफ-सफाई अउर खान-पियन के ध्यान बहुत अच्छे से देइ लागे हन जेंहमा से अब गांव में कमजोर बच्चन बहुत कम बचे हैं.' संगीता खैरगार का कहना है कि -'गाँव मा जननी एक्सप्रेस, एम्बुलेंस, जरूरत पडै पर समय से आबै लाग ही जेकरे कारण अब बच्चन के जनम अस्पताल मा होई लाग हइ.'

गीता खैरगार, सोहागी खैरगार व प्रीतु यादव जैसी किशोरियां अब अपने स्वास्थ्य के बारे मे चर्चा करते हुये संकोच नहीं करतीं। वे बताती हैं कि कुछ साल पहले ऐसा नहीं था। गांव की किशोरियों के मन में विकास और पोषण को लेकर कई तरह की भ्रांतियां रहती थीं। उनको यह नहीं पता था कि उनका वजन कितना होना चाहिए, उनके शरीर में कितना खून होना चाहिए जिसके कारण से जाने-अनजाने उनको बीमारियां अपने चपेट में ले लेती थीं लेकिन अब किशोरियां अपने शारीरिक विकास व खानपान को लेकर काफी जागरूक हुई हैं। इस तरह सुविधाओं से वंचित ओबरी गांव ने स्वयंसेवी संस्था विकास संवाद द्वारा संचालित की जा रही दस्तक परियोजना के सहयोग, समुदाय की सक्रिय सहभागिता तथा प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय से काम करते हुये कई गांवों को कुपोषण के सामुदायिक प्रबंधन की राह दिखाई है।

(लेखक पर्यावरण व युवा मुद्दों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

वैश्विकी

मोदी-पुतिन शिखर वार्ता

डॉ. दिलीप चौबे

बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात करना आसान है, लेकिन इस संदर्भ में विदेश नीति का संचालन एक बड़ी चुनौती है।

एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी या विरोधी देशों के साथ संबंध कायम करना भले ही आज के परस्पर-निर्भर विश्व की मांग है, लेकिन ऐसा करते समय विभिन्न देशों के कोप का भी सामना करना पड़ता है। भारत की विदेश नीति भी आज ऐसी ही चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। शीतयुद्ध के दौर में अमेरिका या सोवियत संघ की द्विपक्षीय विश्व व्यवस्था में विश्व के सामने यह सहूलियत थी कि वे किसी एक पक्ष के साथ जुड़ जाएं अथवा गुटनिरपेक्ष रहें। महाशक्ति बनने की विकास यात्रा पर निकले भारत के लिए अमेरिका, रूस, चीन और यूरोपीय संघ जैसे विभिन्न ध्रुवों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध कायम करना चुनौतीपूर्ण है।

नरेन्द्र मोदी सरकार पिछले सात वर्षो के दौरान काफी सीमा तक विभिन्न शक्ति केंद्रों के साथ उपयोगी संबंध कायम करने में सफल रही है। पिछले वर्ष पूर्वी लद्दाख में चीन की सैनिक चुनौती ने विदेश नीति पर अप्रत्याशित दबाव बनाया है। इस संबंध में गौर करने वाली बात यह भी है कि जहां भारत और चीन के बीच परस्पर विश्वास आज न्यूनतम स्तर पर दिखाई देता है वहीं द्विपक्षीय व्यापार रिकार्ड ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में आए व्यवधान और गिरावट से उबरने के लिए व्यापारिक संबंधों में कोई कटौती देश के राष्ट्रीय हित में नहीं थी। यही कारण है कि सीमा पर तनाव है, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार रिकार्ड स्तर पर है। प्रतीत होता है कि भारत और चीन दोनों इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पर गतिरोध के बावजूद अन्य क्षेत्रों में संबंधों को सामान्य रखा जाए। इसी क्रम में भारत, रूस और चीन (रिक) की विचार-विमर्श प्रक्रिया पहले की तरह कायम है।

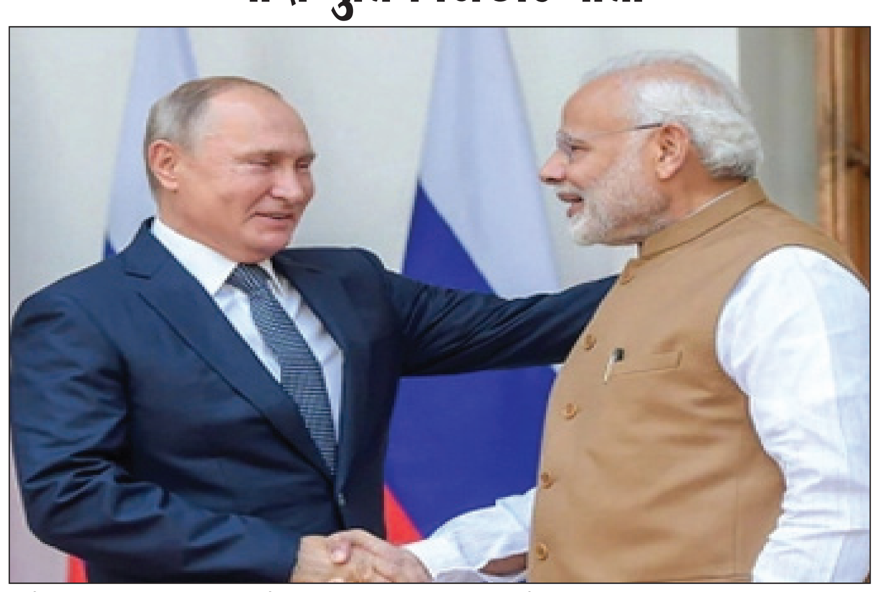

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संवाद किया। भारत की मेजबानी में संपन्न इस विचार विमर्श के बाद एक वक्तव्य जारी किया गया। इसमें अफगानिस्तान सहित दुनिया के विभिन्न देशों के घटनाक्रम के बारे में साझा राय व्यक्त की गई। वक्तव्य से यह भी स्पष्ट होता है कि अधिकतर विश्व मामलों पर तीनों देशों की राय एक जैसी है। वक्तव्य का एक महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि इसमें बीजिंग में आयोजित होने वाले शीतकालीन ओलंपिक और पैरा ओलंपिक को समर्थन दिया गया। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों में बीजिंग के शीत ओलंपिक का बहिष्कार करने की सुगबुगाहट चल रही है। ताइवान और हांगकांग की चीन के आक्रामक तेवरों और शिक्यांग में उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न के मुद्दे पर शीतकालीन ओलंपिक के बहिष्कार की मांग उठ रही है। ऐसे में इन खेलों के आयोजन के प्रति भारत का समर्थन चीन के लिए खुशी की बात है। यह जरूर है कि पश्चिमी देशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी यह सवाल उठेगा कि चीन के प्रति ऐसी दरियादिली क्यों दिखाई जा रही है?

दिसम्बर महीने के शुरू में ऐसे आयोजन हो रहे हैं जो भारतीय विदेश नीति के लिए परीक्षा की घड़ी साबित होंगे। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच 6 दिसम्बर को शिखर वार्ता आयोजित है। पिछले वर्ष कोरोना महामारी के कारण यह शिखर सम्मेलन नहीं हो पाया था। यह 21वां भारत-रूस शिखर सम्मेलन है। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर अपने रूसी समकक्षों के साथ 2+2 वार्ता करेंगे। शिखर वार्ता से पहले राष्ट्रपति पुतिन ने चीन के संबंध में जो नीति विषयक वक्तव्य दिया वह भारत के लिए असमंजस पैदा करता है। पुतिन ने रूस और चीन के संबंधों को इतिहास में सबसे मजबूत बताते हुए इसे दुनिया के लिए आदर्श बताया।

पूर्वी लद्दाख में चीन की चुनौती के बीच भारत के सबसे भरोसेमंद मित्र देश रूस के राष्ट्रपति का यह बयान समस्या पैदा करता है। जहां तक रूस का संबंध है वह चीन के साथ मजबूत गठबंधन रखते हुए भी भारत को समान रूप से महत्त्व दे रहा है। यही कारण है कि पुतिन की यात्रा के समय ही भारत को रूस से मिसाइल विरोधी वायु सुरक्षा प्रणाली एस-400 मिलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पुतिन और मोदी की वार्ता पर पूरी दुनिया की नजर है। इस वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति 9-10 दिसम्बर को विश्व लोकतंत्र वार्ता आयोजित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इसमें भाग लेंगे। इस संवाद में रूस और चीन को आमंत्रित नहीं किया गया है।

लोकरंग

शरद ऋतु, रात्रि जागरण और जट-जटिन लोकनृत्य

प्रीतिमा वत्स

हमारे देश के हर कोने में कोई न कोई लोक जीवन आबाद है। हर क्षेत्र की तरह बिहार और झारखंड की समृद्ध संस्कृति के पीछे भी जो इतिहास है उसमें लोक गीतों और लोक गाथाओं का बहुत हीं महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

पूरे सालभर में कभी सामा-चकेबा के गीत गाए जाते हैं, कभी करमा देव की पूजा करते हैं तो कभी ग्राम्य देवी के विभिन्न रूपों की पूजा। हर मौके पर लोकगीत यहां के लोक जीवन का हिस्सा है। बदलते परिवेश में इन गीतों के स्वरूप भी बदले हैं। कई बार तो इन बदलते लोकगीतों पर पाश्चात्य गीतों और फिल्मी गीतों के प्रभाव को देखकर निराशा भी होती है। पर गीत-नृत्य के इसी फेहरिस्त में जट-जटिन नामक एक लोक नृत्य भी है जो कि आज भी वहां के आंचलिक हिस्सों में काफी प्रचलित है, और करीब-करीब अपने मौलिक अंदाज में ही उपस्थित है। किंवदंती है कि जट-जटिन लोकनाट्य का श्रीगणेश बिहार के समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी नामक गांव से हुआ है। चौदहवीं सदी में हरियाणा के जाट समुदाय के कुछ लोग यहां आकर बस गए थे। जोर-जोर से गाना और नाचना उनके स्वभाव में था। वे लोग जो गीत गाते थे उसे यहां के मूल निवासी 'जाट-जटिन' के गीत कहते थे और उनकी नकल भी उतारते थे।

धीरे-धीरे यह बिहार के समाज में घुलता चला गया। इसी का अपभ्रंश है जट-जटिन लोकनाट्य, लेकिन अब यह लोकनाट्य पूर्ण रूप से बिहार के रंग में रंग चुका है। इसमें दो पक्ष के बीच गीतों द्वारा संवादों का आदान-प्रदान होता है। एक पक्ष जट की तरफ से बोलता है और दूसरा पक्ष जटिन की तरफ से। इस लघु प्रहसन में पुरुषों का कोई दखल नहीं होता है। जो पक्ष जट की तरफ से होते हैं वे अपने माथे पर मोटा सा साफा या पगड़ी और तन पर बंडी पहन लेती हैं। जटिन के पक्षवाले फूलों से अपने आप को सुसज्जित करती हैं। शेष महिलाएं जरूरत के हिसाब से अपने आप को सजा लेती हैं और जट-जटिन के परिवार वाले बन जाते हैं। दोनों दल आमने सामने खड़े होकर गीतों के माध्यम से उत्तर-प्रति उत्तर देते हैं तथा नृत्य और अभिनय करते हैं। ये महिलाएं खुद हीं कलाकार भी होती हैं और दर्शक भी। स्वाभाविक तौर पर इन्हें किसी मंच की आवश्यकता भी नहीं होती है। हाल के कुछ दिनों में इसका मंच पर भी प्रदर्शन होने लगा है, लेकिन लोक की उष्मा वहां भी बनी हुई है। जट-जटिन की कथा वस्तु अत्यंत लघु होती है। यह अक्सर पति-पत्नी के बीच का संवाद होता है, या प्रेमी और प्रेमिका के ब्याह और प्यार की बातें होती हैं तो कभी जटिन के फरमाइशों को जट कैसे पूरा करता है उस प्रसंग पर गीत और मान-मनौव्वल का दौर चलता है। कभी-कभी बेटी के मायके बुलाए जाने, उसके भाई के आगमन और सावन-भादो की बढ़ती नदी में यात्रा के जोखिमों का सजीव वर्णन होता है।

वस्तुत- यह एक ऐसा आंचलिक लोक नाट्य है, जिसे बिना किसी विशेष तैयारी के स्त्री समाज सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाता है। इसमें दाम्पत्य जीवन का वह मार्मिक पक्ष उभरता है जो न पौराणिक कथाओं में वर्णित है और न परम्परागत प्रेमाख्यानों में। जट-जटिन के प्रेम और उसके परिणय सूत्र में बंध जाने और उसके बाद के जीवन को लेकर एक लोक गाथा इस प्रकार से है-हम तो लाया आजन-बाजन और तुम करो बियाह। सांवर गेरूली होय जयतई जट के बियाह, लेकिन जटिन पक्ष कहती है कि-नै लेबै आजन-बाजन नै करबै बियाह। सांवर गेरूली मोर गउरी रहि जइतई कुमारी।। अत्यधिक मान-मनौव्वल के साथ दोनों का पाणि-ग्रहण हो जाता है। जटिन-जट के घर आ जाती है। रास्ते भर दोनों पक्ष के लोग उनके स्वागत के गीत गाते रहते हैं। जट अपने घर आने पर जटिन को अपने परिवार के साथ नम्रता के साथ पेश आने की सलाह देता है। लबिक..चलिहे गे जटिन, लबिक.. चलिहे गे। जैसे कांच करचिया, वैसे लबिक..चलिहे गे। लेकिन जटिन उसे नहीं मानती है और कहती है मैं तो अपने माता-पिता की इतनी दुलारी हूं। कभी किसी का आदेश नहीं माना है तो तुम्हारी किस तरह से मानूं। निहये लबबो रे जटा, निहये लबबो रे। हम त बाबा के दुलारी धिया निहये लबबो रे। इसी तरह के वाद-विवाद चलता रहता है। प्रेम से भरे इस माहौल में जटिन जट से कभी उसकी कमाई के बारे में पूछती है तो कभी खुद के लिए आभूषण बनवाने को कहती है। हाथी दांत वाले कंघी भी उसे खूब भाते हैं।

रूठने मनाने की क्रिया में एक बार जट जटिन में लड़ाई हो जाती है और वह मायके जाने लगती है, उसे बहुत मनाने की कोशिश करता है लेकिन जटिन नहीं मानती है। जट जटिन की विरह वेदना से ग्रसित होकर कहता है-तोरे बिनु अंगना में दुभिया जनमल गे जटिन। सेजिया पे मकड़ा के जाली भई गेल गे जटिन, तोरे रे बिनु।। जट जटिन के वियोग में परेशान हो जाता है और उसे मनाने के लिए ससुराल जाता है और उसे मनाकर घर ले आता है। गीत-नृत्य पर आधारित इस कथा का प्रसंग चाहे जो भी हो, अंत हमेशा सुखांत ही होता है, और जट-जटिन में सुलह हो ही जाती है। आज भी बिहार के कुछ आंचलिक हिस्सों में शरद-ऋतु के महीने में देर रात तक जागकर ये गीत-नृत्य करती हैं।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में मजबूती के लिए पांच क्षेत्र अहमः गोयल

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और बांग्लादेश के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार, संपर्क, स्वास्थ्य एवं पर्यटन समेत पांच क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया है। गोयल ने रविवार को बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय निवेश सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और इस समय यह व्यापार 10 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो चुका है। दोनों पड़ोसी देश वृहद आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को आगे बढ़ाने की दिशा में भी अग्रसर हैं। गोयल ने कहा, ''दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में मजबूती लाने के लिए मैं पांच क्षेत्रों- व्यापार, प्रौद्योगिकी, संपर्क, उद्यमिता और स्वास्थ्य एवं पर्यटन पर विशेष ध्यान देने का सुझाव देता हूं।'' इस मौके पर वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संपर्क विस्तार की कोशिशें द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके अलावा बांग्लादेश और पूर्वी भारत के बीच निवेश संभावनाओं को जमीन पर उतारने के लिए भी संपर्क बढ़ना जरूरी है।

पीएनबी 200 करोड़ रुपये के बकाया वसूली को नेशनल स्टील एंड एग्रो के खाते बेचेगा

नयी दिल्ली, सार्वजानिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने 200 करोड़ रुपये के बकाया की वसूली के लिए मध्य प्रदेश स्थित इस्पात और कृषि कंपनी के खाते की बिक्री का फैसला किया है। नेशनल स्टील एंड एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर बैंक का 199.90 करोड़ रुपये का बकाया है। बैंक ने एक नीलामी अधिसूचना में कहा, ''हम नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक के नियमों और शर्तों के तहत कंपनी के खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी)/गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)/अन्य बैंकों/वित्तीय संस्थाओं को बेचना चाहते हैं।'' पीएनबी ने बिक्री प्रक्रिया के लिए आरक्षित मूल्य (नकद आधार पर) 95 करोड़ रुपये निर्धारित किया है। बैंक ने संभावित बोलीदाताओं के लिए जांच-परख की प्रक्रिया में तेजी लाने और खरीदार के सत्यापन के उद्देश्य से दस्तावेजों की प्रतियां एक ही स्थान पर लाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया है।

रेलिगेयर फिनवेस्ट के जनवरी से दोबारा कारोबार शुरू करने की संभावनाः चेयरपर्सन

नयी दिल्ली, रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) अपने ऋण का पुनर्गठन पूरा करने के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और अगले साल से उसके फिर से कारोबार शुरू करने की संभावना है। रेलिगेयर इंटरप्राइजेज लिमिटेड की चेयरपर्सन रश्मि सलूजा ने बताया कि खराब वित्तीय स्थिति से गुजर रही आरएफएल के कर्ज पुनर्गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा, ''आरएफएल को बैंकर बकाया कर्ज के अलावा अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए भी सहमत हो गए हैं। इस तरह आरएफएल का इंजन अगले साल जनवरी से दोबारा शुरू होने को तैयार है।'' रेलिगेयर इंटरप्राइजेज की गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई आरएफएल को भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी, 2018 से ही कारोबार करने से रोका हुआ है। उसकी खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने यह रोक लगाई थी। प्रवर्तक बंधुओं-शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह के खिलाफ कोष के दुरुपयोग के आरोपों की जांच कई सरकारी एजेंसियां कर रही हैं। करीब 4,000 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। सलूजा ने बताया कि आरएफएल ने 600 करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) चिह्नित की हैं और अब वह अगले चरण में बढ़ चुकी है। यह उसके कर्ज पुनर्गठन का हिस्सा है जिस पर बैंकर एवं रेलिगेयर इंटरप्राइजेज भी सहमति जता चुके हैं। आरएफएल के भावी कदम के बारे में पूछे जाने पर सलूजा ने कहा कि कंपनी के परिचालन में सख्त कामकाजी तरीकों का पालन किया जाएगा और प्रौद्योगिकी-आधारित कारोबारी मॉडल अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

एलआईसी म्यूचुअल फंड का मार्च तक अपना एयूएम 25,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य

मुंबई,

एलआईसी म्यूचुअल फंड को उम्मीद है कि दिसंबर के अंत तक वह अपने हाल में पेश इक्विटी फंड को 2,000 करोड़ रुपये तक दोगुना कर पाएगी। इसके अलावा कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के अंत तक अपने प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) को 25,000 करोड़ रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। एलआईसी म्यूचुअल फंड ने वर्ष 1989 में अपना कारोबार शुरू किया था। एलआईसी एएमसी सबसे पुरानी संपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक है, लेकिन कम जोखिम वाले प्रतिकूल निवेश की प्रवृत्ति से उसकी प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां केवल 20,000 करोड़ रुपये हैं। एलआईसी म्यूचुअल फंड के मुख्य कार्यकारी दिनेश पांगटे ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कंपनी ने पिछले पांच-छह वर्षों में ही इक्विटी योजनाएं शुरू करना चालू किया, जो अब 20,000 करोड़ रुपये के एयूएम का लगभग 30 प्रतिशत हैं। पांगटे ने कहा, ''हमें इक्विटी फंड को दिसंबर के अंत तक 2,000 करोड़ रुपये तक और एयूएमयू को 20,000 करोड़ रुपये से 25,000 करोड़ रुपये तक ले जाने की उम्मीद है। नए फंड में बड़ी वृद्धि से हम अपने कुल इक्विटी एयूएम में 7,500 करोड़ रुपये के साथ वित्त वर्ष को समाप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अगर हम नए फंड के साथ 2,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सक्षम हैं, तो यह हमारा शीर्ष इक्विटी फंड बन जाएगा।

आईटी मंत्रालय 29 नवंबर से मनाएगा 'आजादी का डिजिटल महोत्सव'

नयी दिल्ली, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय 29 नवंबर से पांच दिसंबर तक 'आजादी का डिजिटल महोत्सव' मनाएगा। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस महोत्सव के तहत सप्ताह भर तक कई कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिये डिजिटल क्षेत्र में देश की उपलब्धियों को दर्शाया जाएगा और भविष्य की रूपरेखा पेश की जाएगी। इस कार्यक्रम के जरिये यह बताया जाएगा कि डिजिटल प्रौद्योगिकियां अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में किस तरह बदलाव ला रही हैं और सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। इस आयोजन के माध्यम से डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की भावना को भी रेखांकित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, रेलवे और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी भाग लेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों तथा राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के बाद अब जियो ने 20 फीसदी तक बढ़ाई कीमतें, 1 दिसंबर से लागू होंगी दरें

बिजनेस डेस्क :

भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया द्वारा मोबाइल टैरिफ दरों में बढोतरी किये जाने के बाद आज सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस जियो ने भी अपने टैरिफ दरों में 20 फीसदी तक की बढोतरी की गयी है। जियो ने आज नए अनलिमिटेड प्लान की घोषणा की, यह प्लान 1 दिसंबर से लागू होंगे। रिलायंस जियो का दावा है कि उसके टैरिफ रेट अब भी सबसे कम हैं। जियो के विभिन्न प्लान में 31 रुपये से लेकर 480 रुपये तक का इजाफा किया गया है। जियोफोन के लिए विशेष तौर पर लाए गए पुराने 75 रुपये के प्लान की नई कीमत अब 91 रुपये होगी। वहीं अनलिमिटेड प्लान का 129 रुपये वाला टैरिफ प्लान अब 155 रुपये में मिलेगा। एक वर्ष की वैलीडिटी वाले प्लान में रेट सबसे ज्यादा बढ़े हैं। पहले यह प्लान 2399 रुपये का था जिसे अब 2879 रुपये कर दिया गया है। रिलायंस जियो के डाटा एड-ऑन प्लान के रेट भी बढ़े हैं। 6जीबी वाले 51 रुपये के प्लान के लिए अब 61 रुपये और 101 वाले 12 जीबी वाले एड-ऑन प्लान के लिए अब 121 रुपये लगेंगे। सबसे बड़ा 50 जीबी वाला प्लान भी अब 50 रुपये महंगा हो कर 301 रुपये का हो गया है।

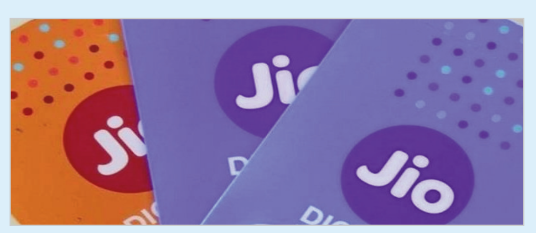

दूरसंचार ऑपरेटरों की 5जी स्पेक्ट्रम के आधार मूल्य में 50 प्रतिशत कटौती की मांग

नयी दिल्ली,

सेल्युलर सेवा प्रदाताओं ने सरकार से 5जी स्पेक्ट्रम की प्रस्तावित नीलामी के लिए इसकी आधार कीमतों में आधे से भी ज्यादा कटौती की मांग की है। उद्योग जगत के सूत्रों के मुताबिक सेल्युलर ऑपरेटरों के संगठन सीओएआई ने 5जी सेवाओं के विस्तार और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए स्पक्ट्रम कीमतों में बड़ी कटौती की मांग की है। एक दूरसंचार कंपनी के प्रतिनिधि ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने सरकार से 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी के आधार मूल्य में आधे से भी अधिक कटौती करने का अनुरोध किया है।''

हालांकि, सीओएआई ने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी प्रक्रिया अप्रैल-जून 2022 की तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है।

इसके पहले मार्च, 2021 में हुई पिछली स्पेक्ट्रम नीलामी के समय सरकार ने सात बैंड में 2308.80 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की थी जिसका आरक्षित मूल्य करीब चार लाख करोड़ रुपये था। यह अलग बात है कि प्रीमियम श्रेणी के 700 मेगाहट्र्ज और 2,500 मेगाहट्र्ज बैंड के स्पेक्ट्रम बिक ही नहीं पाए। ज्यादा आधार मूल्य होने से दूरसंचार ऑपरेटर इससे दूर ही रहे। सरकार पिछली बार 3.3-3.6 गीगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी के स्पेक्ट्रम की नीलामी भी नहीं कर सकी थी क्योंकि इसे समय पर खाली नहीं कराया जा सका था। इसके अलावा इस बैंड का आधार मूल्य भी 5जी सेवाओं के लिए खासा महंगा बताया गया था। एक दूरसंचार ऑपरेटर के प्रतिनिधि ने आधार मूल्य में 50-60 प्रतिशत कटौती की मांग रखने का दावा किया है, तो दूसरे ऑपरेटर के प्रतिनिधि ने इसमें 60-70 फीसदी कटौती तक की मांग किए जाने की बात कही है। दूरसंचार नियामक ट्राई ने 3.3-3.6 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम में प्रति मेगाहट्र्ज 492 करोड़ रुपये का आधार मूल्य तय किया था। इस दर पर ऑपरेटरों को 3,300-3,600 मेगाहट्र्ज बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 9,840 करोड़ रुपये चुकाने पड़ेंगे।

देशभर में फिलहाल 5जी सेवाओं का परीक्षण चल रहा है। इसके लिए सरकार ने गत मई में दूरसंचार कंपनियों को छह महीनों के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित किया था।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.62 लाख करोड़ रुपये घटा

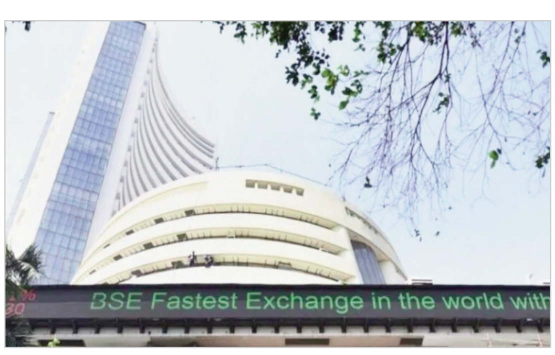

नयी दिल्ली,

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2,62,146.32 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में 2,528.86 अंक यानी 4.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सिर्फ भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में ही बीते सप्ताह बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 41,518.24 करोड़ रुपये घटकर 4,10,670.50 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 38,440.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 15,30,109.51 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह इन्फोसिस की बाजार हैसियत 37,950.03 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 7,10,925.34 करोड़ रुपये तथा एचडीएफसी की 33,067.68 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 4,96,168.98 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक के बाजार मूल्यांकन में 29,852.83 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 4,19,902.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 28,567.03 करोड़ रुपये घटकर 5,01,039.91 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 26,873.77 करोड़ रुपये घटकर 8,25,658.59 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 14,778.93 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,48,570.82 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 11,097.15 करोड़ रुपये घटकर 12,74,563.64 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 12,769.55 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,05,009.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस गिरावट के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष 10 कंपनियों में पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एसबीआई, बजाज फाइनेंस तथा भारती एयरटेल का स्थान रहा।

खराब व्यवहार के लिए स्पाइसजेट ने विमान से यात्री को उतारा

नई दिल्ली।

गुवाहाटी हवाई अड्डे पर एक पुरुष यात्री को खराब व्यवहार के लिए स्पाइसजेट के विमान से उतार दिया गया और उसे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को सौंप दिया गया। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार सुबह दिल्ली जा रहे विमान एसजी 8169 पर हुई जब विमान रनवे पर था। एयरलाइन ने रविवार को जारी बयान में बताया कि यात्री को इसलिए उड़ान से उतार दिया गया था क्योंकि वह बार-बार अपनी सीट से उठ रहा था और हंगामा कर रहा था। बयान में कहा गया,'उसे शांत कराने की कोशिशें बेकार गईं और साथी यात्रियों ने चालक दल के सदस्यों को बताया कि वह उक्त यात्री के साथ यात्रा करने के लिए तैयार नहीं हैं।' इसमें बताया गया, 'विमान को वापस बाड़े में लाया गया जहां हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारियों ने स्पाइसजेट के कर्मचारियों के साथ यात्री को विमान से उतारा और उसे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया।' बाद में, विमान ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि उपद्रवी यात्री के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई या नहीं।

कोल इंडिया की बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति अप्रैल-अक्टूबर में 23 प्रतिशत बढ़कर 29.17 करोड़ टन पर

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) की बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में 22.7 प्रतिशत बढ़कर 29.17 करोड़ टन पर पहुंच गई। कोल इंडिया की अक्टूबर माह के लिए मंत्रिमंडल को दी गई संक्षिप्त रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 23.77 करोड़ टन रही थी। पिछले महीने के दौरान भी कोल इंडिया की बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 21.7 प्रतिशत बढ़कर 4.76 करोड़ टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.91 करोड़ टन से अधिक थी। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा इस क्षेत्र को सात महीनों में ईंधन आपूर्ति 66 प्रतिशत बढ़कर 3.06 करोड़ टन हो गई, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में यह 1.84 करोड़ टन थी। एससीसीएल द्वारा बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति पिछले महीने अक्टूबर, 2020 के 33.2 लाख टन से 41.7 प्रतिशत बढ़कर 47.1 लाख टन हो गई। कोल इंडिया का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। कोल इंडिया का 2023-24 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है। कंपनी 2023-24 तक कोयला निकासी, खोज और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों से संबंधित परियोजनाओं में 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इस प्रस्तावित खर्च में से कोल इंडिया ने 2023-24 तक कोयला निकासी पर 32,696 करोड़ रुपये, खदान के बुनियादी ढांचे पर 25,117 करोड़ रुपये और परियोजना विकास पर 29,461 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी विविधीकरण और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों पर 32,199 करोड़ रुपये, सामाजिक ढांचे पर 1,495 करोड़ रुपये और खोज कार्यों पर 1,893 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल 500 परियोजनाओं के लिए 1.22 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

आरबीआई के नए मानदंड एनबीएफसी के लिए बढ़ा सकते हैं एनपीए : आईसीआरए

नई दिल्ली।

बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों के लिए आय की पहचान, परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान मानदंडों पर भारतीय रिजर्व बैंक की हाल ही में जारी अधिसूचना से गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों के लिए गैर-प्रदर्शन संपत्ति (एनपीए) में तेज वृद्धि हो सकती है। यह बात आईसीआरए ने कही।

केंद्रीय बैंक ने 12 नवंबर को कहा था कि विशेष उल्लेख वाले खातों और गैर-निष्पादित खातों का वर्गीकरण एक दिन के अंत की स्थिति के आधार पर किया जाना चाहिए और सभी बकाया बकाया की निकासी के बाद ही एनपीए से मानक श्रेणी में अपग्रेड किया जाना चाहिए। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि ये नए मानदंड ऐसी संस्थाओं के आय प्रदर्शन पर असर डालेंगे जो अगली कुछ तिमाहियों में दिखाई देंगे, अगर एनपीए श्रेणी में आगे का प्रवाह शामिल नहीं है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष ए.एम. कार्तिक ने कहा, सख्त एनपीए उन्नयन आवश्यकता मार्च 2022 के एनबीएफसी और एचएफसी (हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों) एनपीए को क्रमशः 160-180 आधार अंक और 60-80 आधार अंक तक बढ़ाने की संभावना है। संपूर्ण बकाया के भुगतान के बाद ही

एनपीए को मानक श्रेणी में उन्नत किया जाना है। एजेंसी ने कहा, इससे बैंक प्रभावित नहीं होंगे, क्योंकि वे इस मानदंड का पालन कर रहे हैं। एनबीएफसी आमतौर पर बकाया अतिदेय के आंशिक भुगतान के साथ भी एक एनपीए खाते को अपग्रेड कर रहे हैं, जबकि रिपोर्टिंग तिथि पर कुल अतिदेय 90 दिनों से कम के लिए थे। आगे चलकर, एनबीएफसी के एनपीए के लिए मानक श्रेणी में मूवमेंट प्रभावित होगा, क्योंकि उनके लक्षित उधारकर्ताओं के पास आम तौर पर सभी बकाया राशि को चुकाने की सीमित क्षमता होती है।

वोल्टास की अंतरराष्ट्रीय भागीदार के साथ कम्प्रेसर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की योजना

नयी दिल्ली,

एयर कंडीशनर कंपनी वोल्टास किसी अंतरराष्ट्रीय भागीदार के साथ मिलकर कंप्रेसर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की योजना बना रही है। वह 500 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। वोल्टास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप बक्शी ने कहा कि टाटा समूह की कंपनी एक संयुक्त उद्यम के तहत किसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी के साथ भागीदारी की योजना बना रही है। इसके लिए पीएन3 (प्रेस नोट 3) मंजूरी की जरूरत है। बक्शी ने अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदार के बारे में हालांकि कोई जानकारी नहीं दी और कहा कि उसकी भागीदार कंपनी विश्व स्तर पर सबसे बड़ी कंप्रेसर विनिर्माताओं में से एक है। उन्होंने रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन (व्हाइट गुड्स) आदि के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं पर एक निवेशक गोलमेज सम्मेलन के इतर पीटीआई-भाषा से कहा, ''संयुक्त उद्यम को हम पीएन3 मंजूरी के लिए आवेदन कर चुके हैं और हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। मंजूरी मिलने के बाद हम संयंत्र स्थापित करेंगे।'' वही निवेश को लेकर उन्होंने कहा कि हम कंप्रेसर निर्माण पर न्यूनतम 350 करोड़ रुपये और एयर कंडीशनिंग के लिए 150 से 200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

भारत को पेट्रापोल सीमा पर चौबीसों घंटे व्यापार के लिए बांग्लादेश की अनुमति का इंतजार

कोलकाता,

पेट्रापोल सीमा के जरिये माल के आयात और निर्यात में देरी को खत्म करने के लिए भारत को बांग्लादेश की तरफ से मंजूरी का इंतजार है। इससे पड़ोसी देश के साथ सातों दिन चौबीसों घंटे आसानी से व्यापार किया जा सकेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। व्यापार निकायों का कहना है कि बांग्लादेश-भारत सीमा पर ट्रकों के रुकने की अवधि 40 दिन से बढ़कर 55 दिन पर पहुंच गई है। उद्योग मंडल फिक्की ने केंद्रीय वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रह्मण्यम के समक्ष भी ट्रकों के लंबे समय तक रुकने के मुद्दे को उठाया है। भारत सरकार ने 25 अक्टूबर को एक आदेश में कहा था कि परीक्षण के आधार पर पेट्रापोल-बेनापोल सीमा तीन महीने तक चौबीसों घंटे खुली रहेगी। पेट्रापोल जमीनी बंदरगाह के प्रबंधक कमलेश सैनी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि हमने हितधारकों और बांग्लादेश सरकार के साथ बैठक की थी। हम अपनी तरफ से चौबीसों घंटे सीमा पर संचालन शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और पड़ोसी देश की तरफ से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारतीय निर्यातकों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेश में खेप ले जाने वाले ट्रकों की लंबी प्रतीक्षा अवधि पर असंतोष व्यक्त किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत /न्यूजीलैंड : श्रेयस-साहा के दम पर भारत ने पहले टेस्ट में कसा शिकंजा, जीत से 9 विकेट दूर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

श्रेयस अय्यर और ऋद्धिमान साहा के अर्धशतक से भारत ने कठिन परिस्थितियों से उबरकर पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी सात विकेट पर 234 रन पर घोषित करके न्यूजीलैंड को 284 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज विल यंग (02) का विकेट गंवाकर एक विकेट पर चार रन बनाए। टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 280 रन और बनाने होंगे। दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज टॉम लाथम दो रन बनाकर खेल रहे थे जबकि विलियम समरविले ने खाता नहीं खोला है। डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़ने के बाद अय्यर (125 गेंद में 65 रन, आठ चौके, एक छक्का) ने दूसरी पारी में भी बेहद दबाव के बीच अर्धशतक जड़ा और यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने

उन्होंने रविचंद्रन अश्विन (32) के साथ छठे विकेट के लिए 52 जबकि साहा (नाबाद 61, 126 गेंद, चार चौके,एक छक्का) के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। साहा ने अक्षर पटेल (नाबाद 28) के साथ आठवें विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी भी की। न्यूजीलैंड की ओर से काइल जेमीसन ने 40 जबकि टिम साउदी ने 75 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय सरजमीं पर विदेशी टीम ने कभी इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज नहीं की है।वेस्टइंडीज ने साल 1987 में नयी दिल्ली में 276 रन का लक्ष्य हासिल किया था। न्यूजीलैंड ने पारी के तीसरे ओवर में यंग का विकेट गंवा दिया जिन्हें रविचंद्रन अश्विन (तीन रन पर एक विकेट) ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। यंग ने डीआरएस लेने का फैसला किया लेकिन तब तक 15 सेकेंड की समय सीमा खत्म हो चुकी थी और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। रीप्ले में दिखा कि अगर वह समय पर डीआरएस लेने का फैसला करते को मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद स्टंप से नहीं टकरा रही थी। इससे पहले सुबह के सेशन में कप्तान अजिंक्य रहाणे (04) और चेतेश्वर पुजारा (22) ने एक बार फिर निराश किया, जिससे भारत 51 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में था। अय्यर ने हालांकि पहले अश्विन और फिर साहा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी करके भारत को संभाला। उन्होंने आफ स्पिनर समरविले पर छक्का जड़ा लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ शॉट बाएं हाथ के स्पिनर एजाज पटेल पर लॉफ्टेड ड्राइव से चौका बटोरना रहा।

मनिका बत्रा विश्व टेबल टेनिस में इतिहास रचने में नाकाम

कानपुर।(एजेंसी)।

ह्यूस्टन। भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा मिश्रित और महिला युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पदक जीतने में नाकाम रहीं। एतिहासिक पदक से सिर्फ एक जीत दूर मनिका और जी साथियान को मिश्रित युगल स्पर्धा के अंतिम आठ मुकाबले में जापान के तोमाकाजु हरिमोतो और हिना हयाता के खिलाफ 1-3 (5-11 2-11 11-7 9-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मनिका के पास इतिहास रचने का एक और मौका था लेकिन वह एक बार फिर नाकाम रहीं जब उन्हें और अर्चना कामत को महिला युगल मुकाबले में सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। मनिका और अर्चना को एकतरफा मुकाबले में साराह डि नुटे और नी शिया लियान की लग्जमबर्ग की जोड़ी के खिलाफ 0-3 (1-11 6-11 8-11) से हार मली।

मैंने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है: एल शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट की दुनिया में रंगभेद का मुद्दा नया नहीं है। भारत के पूर्व लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन का कहना है, देश में मैंने भी अपने जीवन भर इसका सामना किया।

भारत के लिए नौ टेस्ट और 16 वनडे मैच खेल चुके शिवरामकृष्णन ने शनिवार को ट्विटर पर एक पोस्ट में प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कमेंटेटरों द्वारा ऑनलाइन ट्रोलिंग करने के बारे में बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, मैंने पूरी जिंदगी रंग को लेकर आलोचना का सामना किया, इसलिए यह अब मुझे परेशान नहीं करता है। दुर्भाग्य से यह हमारे अपने देश में होता है। एक ट्विटर यूजर ने पोस्ट में शिवरामकृष्णन को टैग करते हुए लिखा, ये आलोचनाएं उनको लेकर ठीक नहीं है, क्योंकि उनके जैसे लोग स्पिनरों को बढ़ावा देने की बात करते हैं। जब वह स्पिन की बारीक पहलू और तकनीक को बताते है तो युवा स्पिनर या कोचों के लिए फायदेमंद होता है। इससे पहले, भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने सोशल मीडिया पर यह मुद्दा उठाया हैं। 2017 में मुकुंद ने एक पोस्ट किया, जिसमें बताया कि कैसे उन्होंने देश में रंगभेद का सामना किया था। मुकुंद ने ट्विटर पर अपना बयान पोस्ट करते हुए कहा, मैं 10 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रहा हूं और मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा हूं जहां भी मैं हूं। उच्चतम स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। मुकुंद ने आगे बताया, मैं आज सहानुभूति या ध्यान आकर्षित करने के लिए यह नहीं लिख रहा हूं, लेकिन इस मुद्दे पर लोगों की मानसिकता को बदलने का प्रयास कर रहा हूं। मैं 15 साल की उम्र से देश-दुनिया में यात्रा कर रहा हूं। मेरी छोटी उम्र से ही लोगों के लिए मेरा रंग रहस्य बना रहा। मुकुंद के अनुसार, जो भी क्रिकेट का अनुसरण करता है वह इसे जरूर समझेगा। मैं धूप में कड़ी मेहनत करता था। मुझे एक बार भी इस बात पर कोई भी पछतावा नहीं हुआ है कि इस दौरान, मेरा रंग अलग हो गया और जैसा भी है मुझे पसंद है। मैं चेन्नई से आता हूं जो शायद देश के सबसे गर्म स्थानों में से एक है और मैंने खुशी-खुशी अपना अधिकांश जीवन क्रिकेट के मैदान में बिताया है।

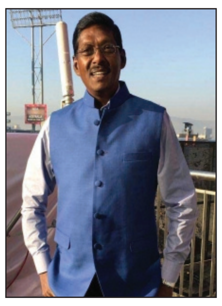

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने भी मुकुंद का समर्थन किया, जिन्होंने रंगभेद के अपने अनुभव के बारे में भी कुछ राज खोले। डोड्डा गणेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, मुकुंद की इस कहानी ने मुझे अपने खेल के दिनों में नस्लीय टिप्पणियों की याद दिला दी।

रहाणे को दूसरे टेस्ट से बाहर करना चाहिए ताकि उनको रीसेट होने का समय मिल : न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान विटोरी

कानपुर (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी का कहना है कि भारत के क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे को 3 दिसंबर से मुंबई में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए बाहर कर दिया जाना चाहिए ताकि उन्हें खुद को रीसेट होने का समय मिल सके, जो बहुत लंबे समय से उनके लिए समस्या बनी हुई है। कानपुर के ग्रीन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट में, स्टैंड-इन कप्तान रहाणे ने क्रमशः 35 और 4 के स्कोर बनाए, जिससे उनके द्वारा मैदान में दिए गए फॉर्म पर सवाल उठने लगे है। ब्लैक कैप्स के पूर्व स्पिनर विटोरी ने रविवार को कहा कि रहाणे बल्लेबाजी करते समय फार्म में नहीं दिख रहे थे। उन्हें महसूस हुआ रहाणे को ऐसा लगता है कि वह गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक होना चाहते हैं, लेकिन वह मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। रहाणे दबाव के साथ इस सीरीज में आए हैं और उन्होंने एक अन्य बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के साथ ग्रीन पार्क में दिए गए प्रदर्शन में अच्छा नहीं किया है। भारत के पूर्व खिलाड़ी वसीम जाफर ने दोनों बल्लेबाजों के प्रदर्शन की आलोचना की।

निशानेबाजी चैंपियनशिप : भवेश शेखावत ने जीता स्वर्ण, विजय कुमार चौथे स्थान पर रहे

नई दिल्ली। राजस्थान के भावेश शेखावत ने रविवार को यहां करणी सिंह रेंज में 64वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब 40 में से 33 हिट के साथ हासिल किया। पुरुष स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहे हरियाणा के अनीश भानवाला ने जूनियर निशानेबाजी पिस्टल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जिससे पदक अंकों में शीर्ष पर राज्य की पकड़ मजबूत हुई। शेखावत ने आठ सीरीज के फाइनल में 40 में 33 हिट से पहला स्थान हासिल किया। गुरप्रीत ने 29 में रजत और अनीष ने 22 में कांस्य पदक जीता। पांच साल बाद प्रतिस्पर्धी निशानेबाजी में वापसी कर रहे विजय 17 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे। युवा विजयवीर सिद्धू और अहनद जवांडा ने क्रमशः पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। जूनियर पुरूषों के फाइनल में भानवाला ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 34 अंक के स्कोर से राज्य के साथी आदर्श सिंह से आगे पहले स्थान पर रहे। आदर्श ने रजत जबकि सिद्धू ने पंजाब के लिये कांस्य पदक जीता। स्पर्धाओं के 10 दिन बाद अभी तक पिस्टल स्पर्धा में 32 स्वर्ण पदक दिये गये हैं जिसमें हरियाणा 12 स्वर्ण पदक से शीर्ष पर चल रहा है। उसके सबसे ज्यादा 27 पदक भी हैं। उसके बाद दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान हैं जिनके नाम चार चार स्वर्ण हैं।

आस्ट्रेलिया का कप्तान बनने से पहले कमिंस से पूछा गया था उनका राज

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के नव नियुक्त टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने खुलासा किया है कि चयन पैनल द्वारा टीम की अगुआई की जिम्मेदारी सौंपे जाने से पहले उनसे पूछा गया था कि उनका कोई राज तो नहीं है और अगर है तो उसे साझा करना होगा। कमिंस को एशेज श्रृंखला से पहले आस्ट्रेलिया का 47वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था क्योंकि टिम पेन ने पिछले हफ्ते अपने पद से हटने का फैसला किया था। कमिंस को कप्तान जबकि पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को उप कप्तान बनाया गया जिन्हें तीन साल पहले 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के मामले के बाद निलंबित किया गया था। यह पूछने पर कि क्या आस्ट्रेलियाई पैनल ने उनसे कप्तान नियुक्त करने से पहले किसी चीज की बात स्वीकार करने के बारे में पूछा था तो कमिंस ने इस पर हामी भरी। कमिंस ने एबीसी स्पोर्ट से एक साक्षात्कार में कहा,हां, इसमें कुछ सवाल थे। लेकिन मैं इसके बारे में विस्तार में नहीं बताऊंगा। उन्होंने कहा,यह वास्तव में अच्छी खुली चर्चा थी। हमने काफी अलग चीजों के बारे में बातें कीं। इसलिये हम सचमुच सहज महसूस कर रहे थे।

श्रेयस अय्यर का खुलासा: कोच द्रविड़ ने ज्यादा से ज्यादा गेंद खेलने को कहा था

कानपुर (एजेंसी)।

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने दूसरी पारी में 65 रन बनाकर भारत को संकट से उबारा। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे सत्र के दौरान उन्हें हालात को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा गेंद खेलने थे।

दूसरी पारी में अपना महत्वपूर्ण रन बनाने से पहले, अय्यर ने पहली पारी (105) में शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। अय्यर ने कहा, मैं पहले भी ऐसी स्थिति में खेल चुका हूं, भारतीय टीम के लिए नहीं बल्कि अपनी रणजी टीम के लिए। एक अच्छे सत्र में अधिक से अधिक गेंदें खेलनी थी। मैं बहुत आगे की नहीं सोच रहा था, मैं बस वर्तमान की स्थिति को देखते हुए यह कर रहा था।

26 साल के खिलाड़ी ने खुलासा किया कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें दूसरी पारी में ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करने के लिए कहा था। उन्होंने आगे बताया, राहुल सर ने मुझे अधिक से अधिक गेंदों को खेलने के लिए कहा था और मैंने ऐसा ही करने का सोचा था। मुझे लगता है कि हमें 250 रनों से अधिक की अच्छी बढ़त मिल गई, जिससे मैं खुश हूं। अय्यर ने यह कामयाबी हासिल करने पर खुशी जताते हुए कहा, मेरा ध्यान अभी भी भारत के पहले टेस्ट जीतने पर है और ऐसा करने के लिए अभी भी हमें नौ विकेट लेने हैं, जबकि न्यूजीलैंड को पांचवें दिन 280 रन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में स्पिनरों की तिकड़ी सोमवार को उन्हें जीत दिला सकती है।

हंगरी पर 2-1 से जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया का डेविस कप से बाहर होना तय

ट्यूरिन। 28 बार के डेविस कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का शनिवार को यहां डेविस कप फाइनल्स में हंगरी पर 2-1 से जीत के बावजूद बाहर होना तय है। ऑस्ट्रेलिया के नंबर एक एलेक्स डी मिनौर ने हंगरी के मार्टन फुस्कोविक्स के खिलाफ 7-5, 2-6, 7-6 (7-2) से जीत हासिल करने के लिए तीन घंटे से अधिक समय लिया। उनकी जीत ने अनुभवी जॉन पीयर्स और डेब्यू करने वाले एलेक्स बोल्ट को निर्णायक युगल में मैच को सील करने का हौंसला दिया। इसके बाद, वापसी करने वाले पीरोस और फैबियन मरोजसन के 6-3, 6-7 (11-13) लिए थोड़ा मजबूत साबित हुए। लेकिन फिर भी ऑस्ट्रेलिया फाइनल में जगह नहीं बना पाया। जॉन मिलमैन शनिवार को पहले मैच में जोम्बोर पीरोस से हार गए थे। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को अपने शुरुआती मैच में क्रोएशिया से 3-0 से हारकर ग्रुप डी में अपने अभियान को समाप्त किया। अब, ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट के बाहर जाने के कगार पर है, क्योंकि चार हार की वजह से उनका रिकॉर्ड क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख ने जीता मैच

बर्लिन। बुंडेसलीगा के 13वें दौर में बायर्न म्यूनिख ने लेरॉय साने के गोल पर आर्मिनिया बीलेफेल्ड को 1-0 से हराकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। बवेरियन ने शुरू से ही मैच की कमान संभाली और शनिवार के अंत के खेल में बीलेफेल्ड को हरा दिया। बायर्न ने शुरुआती खेल में कई मौके बनाए क्योंकि थॉमस मुलर छठे मिनट में आगे बढ़े, इससे पहले अल्फांसो डेविस ने 15 मिनट के करीब से एक खतरनाक शॉट लगाकर गोल कर दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आर्मिनिया ने कुछ तेज खेलने की कोशिश की, लेकिन पहले 45 मिनट में बायर्न के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से टीम को नुकसान नहीं पहुंचा। बायर्न के कप्तान मैनुअल नेउर ने कहा, यह एक कठिन जीत थी। हमें खुशी है कि हमने मैदान पर तीनों अंक हासिल किए। बीलेफेल्ड ने अच्छी तरह से बचाव किया और हमारे मैच को कठिन बनाया। इस बीच, बोरुसिया डॉर्टमुंड ने एमरे कैन, डोनियल मैलेन और एरलिंग हैलैंड के गोलों के साथ शनिवार देर रात एक और मैच में मेजबान वोल्फ्सबर्ग को 3-1 से मात दी।

भारत ने पोलैंड को 8-2 से हराया, क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम से होगा सामना

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

अरिजीत सिंह हुंडाल और सुदीप चिरमाको के दो दो गोल की मदद से गत चैम्पियन भारत ने शनिवार को यहां पोलैंड को 8-2 से हराकर एफआईएच पुरूष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालीफाई किया। पहले दो मैचों में हैट्रिक बनाने के बाद उप कप्तान संजय (चौथे, 58वें मिनट) में शानदार फॉर्म जारी रखी जबकि कनाडा के खिलाफ हैट्रिक करने वाले हुंडाल (आठवें, 60वें मिनट) ने दो गोल दागे। चिरमाको (24वें और 40वें मिनट) ने भी टीम की जीत में योगदान दिया जबकि पूल बी के मैच में मेजबानों के लिये दो अन्य गोल उत्तम सिंह (34वें मिनट) और शरदानंद तिवारी (38वें मिनट) ने किये। पोलैंड ने अपने दोनों गोल चौथे और अंतिम क्वार्टर में किये। उसके लिये वोजसिएच रूतकोवस्की ने 50वें और रोबर्ट पावलाक ने 54वें मिनट में गोल किये।

भारत का सामना अब एक दिसंबर को क्वार्टर फाइनल में पिछले चरण की उप विजेता बेल्जियम से होगा। बेल्जियम ने पूल ए में गोल अंतर में मलेशिया को पछाड़ा क्योंकि दोनों टीमों के सात सात अंक थे। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में फ्रांस के हाथों मिली 4-5 की उलटफेर भरी हार के बाद भारत ने पूल के दूसरे मैच में कनाडा को 13-1 से पस्त कर टूर्नामेंट में बने रहने की उम्मीद जीवंत रखी थी। पोलैंड के खिलाफ मुकाबला उसके लिये 'करो या मरो' का था और भारतीयों ने गुरूवार को कनाडा के खिलाफ मैच के आत्मविश्वास को जारी रखते हुए शुरू से ही पोलैंड पर दबाव बना दिया। भारत को अपने प्रयासों का फल भी जल्द ही मिल गया और स्टार ड्रैगफ्लिकर संजय ने चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से टूर्नामेंट का अपना सातवां गोल दाग दिया।

भारतीयों ने अपनी आक्रामकता बरकरार रखी और चार मिनट बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जिसमें फिर गोल पेनल्टी कॉर्नर से हुआ लेकिन यह गोल हुंडाल ने दागा। सुदीप ने फिर 24वें मिनट में शानदार मैदानी गोल से भारत की बढ़त तीन गुनी कर दी और टीम हाफ टाइम तक 3-0 से बढ़त बनाये थी। तीसरे क्वार्टर के चार मिनट में उत्तम ने मैदानी गोल से भारत को 4-0 से आगे कर दिया। इसके बाद तिवारी ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर में इजाफा किया। सुदीप ने फिर 40वें मिनट में मैदानी गोल दाग दिया। फिर 0-6 से पिछड़ रही पोलैंड की टीम ने अंतिम क्वार्टर में आक्रामकता अख्तियार की। उन्होंने कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और इस दौरान दो बार गोल कर हार के अंतर को कम किया। भारत ने संजय और हुंडाल के मैदानी गोल से बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दिन के अन्य मैचों में पाकिस्तान ने पूल डी में मिस्र को 3-1 से जबकि फ्रांस ने कनाडा को 11-1 से हराया जिससे वह पूल ए में अपने सभी मैच जीतकर शीर्ष पर रहा। मलेशिया ने दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से हराकर पूल ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टरफाइनल के लिये क्वालीफाई किया जबकि बेल्जियम ने चिली को 3-0 से हराया जिससे वह अपने पूल में शीर्ष पर रहा।

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

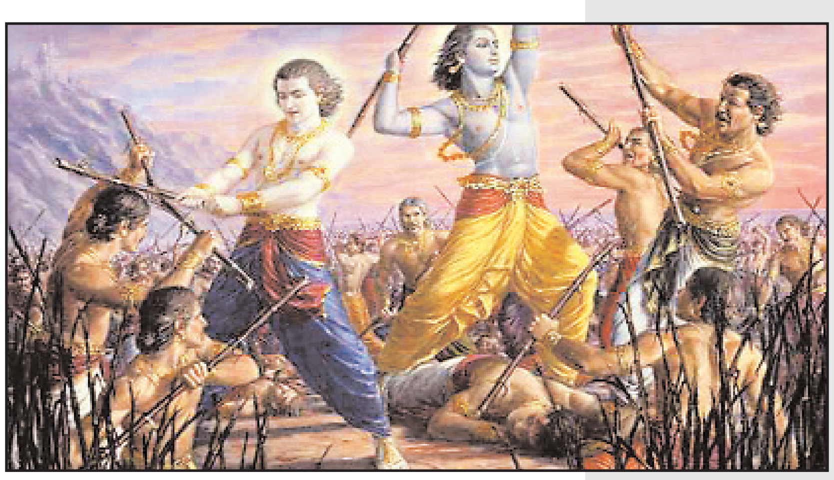

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि:संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत, श्रीलंका और मालदीव ने किया त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास

कोलंबो। हिंद महासागर में सुरक्षा, परस्पर अभियान क्षमता एवं आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए भारत, श्रीलंका और मालदीव के तटरक्षकों का दो दिवसीय त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास रविवार को मालदीव में संपन्न हो गया। यहां भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। प्रत्येक दो साल पर आयोजित होने वाला यह 15वां त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास था और इसे 'दोस्ती' नाम दिया गया है। इस अभियान को शुरू हुए 2021 में 30 साल हो गए।हालांकि, इसकी शुरुआत द्विपक्षीय रूप से हुई थी और इसमें सिर्फ भारत और मालदीव के तटरक्षक ही शामिल थे। श्रीलंका इससे 2012 में जुड़ा और यह त्रिपक्षीय अभ्यास हो गया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, '' कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (सीएसस) के तत्वाधान में दो दिवसीय अभ्यास समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बेहद अहम है।'' सीएसस केंद्रित अभियान का उद्देश्य मानक संचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और तीनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना है। बयान में बताया गया कि इस अभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व आईएनएस सुभद्रा अपतटीय गश्त नौका, पी8आई लंबी दूर के समुद्री गश्त विमान ने किया।

कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट का खौफ, इजराइल ने विदेशियों के लिए सील किए बॉर्डर

यरुशलम। इजराइल ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार को रोकने के लिए रविवार को विदेशी नागरिकों के देश में प्रवेश पर रोक और संक्रमितों के संपर्क में आने वालों का पता लगाने के लिए विवादित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यहां जारी बयान में बताया कि मंत्रिमंडल ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई कदमों को मंजूरी दी है जिनमें 50 अफ्रीकी देशों की यात्रा को लाल सूची में डालना, विदेशी नागरिकों को देश में आने से रोकना और विदेश यात्रा से आने वाले सभी इजराइलियों के लिए पृथक-वास को अनिवार्य बनाना शामिल है। बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने शीन बेट इंटर्नल सिक्योरिटी एजेंसी की विवादित फोन निगरानी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को भी मंजूरी दी है जिसमें इजराइल में ओमीक्रोन से संक्रमण की पुष्टि होने पर उस व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाएगा। इजराइली अधिकार समूहों ने हालांकि मोबाइल फोन निगरानी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को मंजूरी देने की आलोचना की है और इसे निजता के अधिकार का हनन करार दिया है।

अमेरिका में अपार्टमेंट में गोलीबारी में 3 लोगों की मौत, चार घायल

नेशविल। अमेरिका में टेनेसी राज्य के नेशविल में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने ट्विटर पर बताया कि गोलीबारी शुक्रवार रात नेशविल स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। इसने कहा कि मौके पर तीन युवा लोग मृत मिले और चार अन्य घायल अवस्था में मिले लेकिन उनकी जान को खतरा नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि अपार्टमेंट में किसी के जबरन घुसने के कोई संकेत नहीं मिले हैं और मौके से दो बंदूक बरामद हुई हैं। उन्होंने संदिग्धों को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है और घटना की जांच चल रही है। मृतकों तथा घायलों के नाम और उम्र का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

साइकिल चलाकर अस्पताल पहुंची NZ की महिला सांसद, बच्चे को दिया जन्म

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की सांसद जूली ऐनी जेंटर जबरदस्त चर्चा का विषय बनी हुई हैं। जूली ने अपने फेसबुक पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें वे साइकिल चलाकर अस्पताल पहुंचती हैं और वहां वे एक स्वस्थ बच्चे को जन्म देती हैं। तस्वीरों में वे काफी खुश नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को जैसे ही लोगों ने देखा लोग हैरान रह गए और सांसद की प्रशंसा करने लगे। दरअसल, न्यूजीलैंड की सांसद सांसद जूली ऐनी जेंटर को रात के दो बजे लेबर पेन शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने अपनी साइकिल उठाई और हॉस्पिटल पहुंच गई। करीब एक घंटे बाद उन्होंने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। सांसद ने सोशल मीडिया को जरिए लोगों को यह जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर साइकिल राइड से लेकर बच्चे के जन्म तक की कई तस्वीरें शेयर की हैं। कुछ तस्वीरों में उनके पति भी उनके साथ नजर आ रहे हैं। सांसद जूली ऐनी जेंटर ने लिखा कि आज सुबह तीन बजे हमारे परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत हुआ। मैंने अपना लेबर पेन साइकल पर तो कभी नहीं सोचा था, लेकिन ऐसा ही हुआ है। हम जब अस्पताल के लिए निकले तो उतनी दिक्कत नहीं थी लेकिन अस्पताल की दूरी को पार करने में हमें दस मिनट लग गए और अब हमारे पास एक प्यारा स्वस्थ बच्चा है जो अपने पिता की गोद में सो रहा है।

आदत से बाज नहीं आ रहा तालिबान, पुलिस चेकपॉइंट पर न रुकने को लेकर युवा डॉक्टर की ले ली जान

काबुल। दुनिया से खुद के साथ नरमी बरतने की अपील करने वाला तालिबान अपने ही नागरिकों के साथ कितना क्रूर है इसका अंदाजा इस बात से ही लगा सकते हैं कि चेकपॉइंट पर न रुकने की वजह से तालिबानियों ने एक 33 वर्षीय डॉक्टर की जान ले ली। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, यह मामला अफगानिस्तान के हेरात प्रांत का है। मीडिया से बातचीत के दौरान मृतक के परिवार ने बताया कि पुलिस चेकपॉइंट पर न रुकने की वजह से 33 साल के अमरुद्दीन नूरी को तालिबानियों ने जान से मार दिया। सूत्रों के मुताबिक, नूरी एक छोटा प्राइवेट क्लिनिक चलाते थे और हाल ही में उनकी शादी हुई थी।
तालिबान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर 15 अगस्त को कब्जा किया था। तालिबान ने सत्ता में आते ही दावा किया था कि अफगानियों के जीवन की रक्षा करेगा। हालांकि, ये असल में हालात उससे उलट हैं। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही अफगानियों पर क्रूरता के मामले आम हो गए हैं। पत्रकारों और महिलाओं से मारपीट के साथ के भी कई मामले अभी तक रिपोर्ट हो चुके हैं।

हम सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं: अफगान के कार्यवाहक पीएम

काबुल(एजेंसी)।
अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार के कार्यवाहक प्रधानमंत्री (पीएम) मुल्ला हसन अखुंद ने कहा है कि अफगानिस्तान पड़ोसियों और क्षेत्रीय देशों सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहता है। हसन अखुंद ने राज्य में प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि इस्लामिक अमीरात सभी देशों के साथ अच्छे संबंध, आर्थिक संबंध और सह-अस्तित्व चाहता है।

अफगानिस्तान किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा, यह हमारी नीति नहीं है। यह संबोधन शनिवार रात को रेडियो टेलीविजन ऑफ अफगानिस्तान (आरटीए)पर चलाया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को तालिबान के अधिग्रहण और 7 सितंबर को अपनी कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद अपने पहले संबोधन में हसन अखुंद ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा और नया प्रशासन किसी को भी किसी के खिलाफ अफगान जमीन का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से किसी देश को कोई नुकसान नहीं हुआ है और अफगानिस्तान से किसी को नुकसान नहीं होगा। अब, अफगानिस्तान का इस्लामी अमीरात हमारे देश के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर दबाव डालने से किसी को फायदा नहीं होगा। महिलाओं की शिक्षा के बारे में, हसन अखुंद ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की जाती है, और इस्लामी अमीरात महिलाओं और लड़कियों के लिए शिक्षा के अधिकारों का सम्मान करता है। महिलाओं को इस्लामी कानूनों के आधार पर उनकी शिक्षा के लिए एक प्रतिरक्षा स्थान प्रदान किया जाएगा। उन्होंने प्रांतीय गवर्नरों, पुलिस प्रमुखों और न्यायाधीशों से अफगानों को सेवा प्रदान करने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आग्रह किया, और लोगों से उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो आम लोगों को परेशान करते हैं, या पूर्व सरकार में काम करने वाले व्यक्तियों को जवाबदेह होना होगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनका पद कितना ऊंचा है, जो लोगों को परेशान कर रहे हैं उन्हें तुरंत निरस्त किया जाएगा और उनकी रिपोर्ट सीधे मुझे भेजी जाएगी। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने अफगानों से एकजुट होने और देश की अर्थव्यवस्था सहित सद्भावना, भाईचारे और एकता के साथ पुनर्निर्माण करने का भी आह्वान किया।

जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ूंगा: उमर अब्दुल्ला

बनिहाल/जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का विशेष तथा तथा पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ने का शनिवार को संकल्प लिया। अब्दुल्ला श्रीनगर में 15 नवंबर को हुए विवादित मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक युवक के परिवार से मिलने रामबन जिला में स्थित उसके घर गए थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला चेनाब घाटी के आठ दिन के दौरे पर हैं और दूसरे दिन वह गुल इलाके में पहुंचे। चेनाब घाटी मेंजम्मू कश्मीर के रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिले आते हैं। गुल में एक रैली में अब्दुल्ला ने कहा, ''...हम अपने या अपने घरों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई आपके (जम्मू-कश्मीर की जनता) और आपके हितों रक्षा के लिए है। हमारी लड़ाई हमारे उन अधिकारों की बहाली के लिए है, जो पांच अगस्त, 2019 को हमसे छीन लिये गए थे और हम अपनी अंतिम सांस तक लड़ते रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि यह सच्चाई और न्याय की लड़ाई है और जो यह लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाते बल्कि इसे अंजाम तक पहुंचाते हैं।

डॉ एंथनी फाउची ने कहा,कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन दक्षिण अफ्रीका में तेजी से फैल रहा है

वाशिंगटन। (एजेंसी)।
अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची ने कहा है कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन दक्षिण अफ्रीका में तेजी से फैल रहा है और अमेरिकी वैज्ञानिक उस देश में अपने सहयोगियों के साथ नए स्वरूप की जांच तथा यह पता लगाने के लिए बहुत सक्रियता से संवाद कर रहे हैं कि यह एंटीबॉडी को भेदता है या नहीं। संभावित रूप से अधिक संक्रामक बी.1.1.529 स्वरूप के बारे में पहली बार 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित किया गया था और इसके बाद बोत्सवाना, बेल्जियम, हांगकांग और इजराइल में भी इसकी पहचान की गई है।

डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को इसे चिंताजनक स्वरूप बताते हुए ओमीक्रोन नाम दिया। चिंजातनक स्वरूप डब्ल्यूएचओ की कोरोना वायरस के ज्यादा खतरनाक स्वरूपों की शीर्ष श्रेणी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज के निदेशक फाउची ने सीएनन से कहा कि निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका में मिले नए स्वरूप में हुए कुछ बदलावों के कारण संक्रमण तेजी से फैलने, प्रतिरक्षा क्षमता को भेदने को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार फाउची ने कहा कि प्रतीत होता है कि नया स्वरूप दक्षिण अफ्रीका में काफी तेजी से फैल रहा है।

उन्होंने कहा, यह अभी प्रसार की अवस्था में है। हम इसके बारे में और जानकारी जुटा रहे हैं। हम इसके बारे में अधिक से अधिक जानने का प्रयास कर रहे हैं। फाउची ने कहा कि फिलहाल इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नया स्वरूप अमेरिका में मौजूद है, लेकिन कुछ भी संभव है क्योंकि कई लोगों ने यात्राएं की होंगी। उन्होंने कहा, हम इसकी आणविक संरचना खोजने के लिए काम कर रहे हैं। उपयुक्त सामग्री को जुटाने में समय लगेगा लेकिन हम अपने दक्षिण अफ्रीकी सहयोगियों और वैज्ञानिकों के साथ बहुत सक्रियता के साथ संवाद कर रहे हैं। क्या नया स्वरूप एंटीबॉडी को भेद देगा, यह पूछे जाने पर फाउची ने कहा, जब आप एक उत्परिवर्तन को देखते हैं तो यह आपको एक संकेत देता है कि यह प्रतिरक्षा तंत्र से बच सकता है। आपको वायरस के उस विशेष अनुक्रम को प्राप्त करने की आवश्यकता है। प्रयोगशाला में मूल स्वरूप पर परीक्षण करना

होगा ताकि बताया जा सके कि यह स्वरूप एंटीबॉडी को भेद सकता है।

ब्राउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन डॉ आशीष झा ने सीएनएन को बताया कि यह स्वरूप अलग तरह से काम कर रहा है और ऐसा लगता है कि यह डेल्टा स्वरूप की तुलना में बहुत अधिक संक्रामक है। ब्रिटेन में वारविक मेडिकल स्कूल में विषाणु विज्ञानी और मॉलिकुलर ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर लॉरेंस यंग ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप बहुत चिंताजनक है। इंपीरियल कॉलेज लंदन में एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज एनालिसिस के निदेशक नील फर्ग्यूसन ने एक बयान में कहा कि स्पाइक प्रोटीन पर उत्परिवर्तन की संख्या अभूतपूर्व थी।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में सामने आए 2 ओमीक्रॉन वेरिएंट के मामले

सिडनी (एजेंसी)।
ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार दोपहर को विदेशी यात्रियों से तत्काल जीनोमिक अनुक्रमण करने के बाद नए ओमीक्रॉन कोरोनावायरस वेरिएंट के दो मामलों की पुष्टि की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य, जहां देश का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है, दक्षिणी अफ्रीकी देशों से आने वाले 14 में से 2 कोरोना पॉजिटिव है और ओमीक्रॉन वेरिएंट के लिए तत्काल जीनोमिक अनुक्रमण शुरू हो गया है। पिछले सभी उपभेदों की तुलना में अधिक संक्रामक माना जाने वाला वेरिएंट, पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था और शुक्रवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा वेरिएंट ऑफ कंसर्न के रूप में चिह्नित किया गया था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दो मामले, दोनों शनिवार की शाम को दक्षिणी अफ्रीका से सिडनी आ रहे थे, इनके आगमन पर टेस्ट किया गया और शनिवार देर रात कोरोना पॉजिटिव निकले। दो लोगों में कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे लेकिन वे विशेष स्वास्थ्य आवास में आइसोलेशन में हैं। दोनों मामलों का पूरी तरह से टीकाकरण किया गया है। दो यात्री दक्षिणी अफ्रीका के 14 यात्रियों में से थे जो दोहा के रास्ते सिडनी पहुंचे थे। बाकी 12 यात्री विशेष स्वास्थ्य आवास में 14 दिनों के होटल क्वारंटीन में हैं। उड़ान में लगभग 260 यात्रियों और एयर क्रू को करीबी संपर्क माना जाता है और उन्हें अलग करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले कि दो मामलों के नए वेरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि की गई, एनएसडब्ल्यू प्रीमियर डोमिनिक पेरोटेट ने चेतावनी दी कि यह अपरिहार्य है कि नए वेरिएंट ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करेंगे और कहा कि सरकार नए वेरिएंट के लिए एहतियाती तरीका अपना रही है। राज्य ने पहले ही शनिवार आधी रात से कुछ नए उपायों की शुरूआत की, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, लेसोथो, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, नामीबिया, इस्वातिनी, मलावी और सेशेल्स में आने से पहले 14 दिनों की अवधि के दौरान यात्रियों के लिए अनिवार्य होटल क्वारंटीन शामिल है।

न्यूयॉर्क के गवर्नर ने की डिजास्टर इमरजेंसी की घोषणा

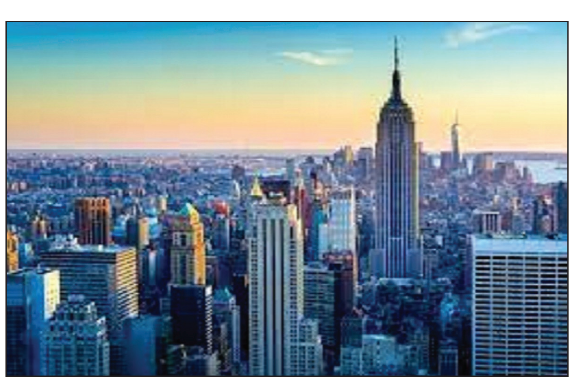

न्यूयॉर्क। (एजेंसी।
अमेरिका के राज्य न्यूयॉर्क में एक बार फिर कोरोना केस बढ़ने लगे हैं। न्यूयॉर्क के गवर्नर ने कोरोना के केस में बढ़ोतरी को देखते हुए वहां डिजास्टर इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। राज्यपाल कैथी होचुल ने अपने आदेश में कहा कि न्यूयॉर्क में एक आपदा आई है और मैं 15 जनवरी, 2022 तक पूरे राज्य के लिए आपातकाल की घोषणा करती हूं।

बीते 24 घण्टो में न्यूयॉर्क में 5,785 नए कोरोना के मामले आए हैं। कोरोना कि शुरुआत से लेकर अब तक इस राज्य में 28 लाख केस मिले हैं और 58 हज़ार लोगों की मौत हो चुकी है। बीच मे एक समय ऐसा भी था, जब न्यूयॉर्क राज्य में कोरोना वायरस से हालात काबू में थे। लेकिन अब एक बार फिर वहां कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे है।

कनाडा के क्यूबेक प्रांत में कोरोना-वायरस के 1,171 नए मामले सामने आए

ओटावा (एजेंसी)।
कनाडा के क्यूबेक प्रांत में कोरोनावायरस के 1,171 नए मामले सामने आए हैं। इलाके में लगातार दूसरे दिन 1,000 से ज्यादा नए मामले नजर आए हैं।

यह इस साल 30 अप्रैल के बाद से मामलों में सबसे ज्यादा दैनिक बढ़ोतरी है। कोरोना महामारी की शुरूआत के बाद से प्रांत में 445,756 पुष्ट मामले और 11,574 मौतें हुई हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार के नए मामलों में से, 714 लोगों को टीका नहीं लगाया गया था, जबकि 12 लोगों को 14 दिन से ज्यादा समय पहले टीके की एक खुराक दी गई थी और पॉजिटिव परीक्षण से सात दिन पहले 445 लोगों को दो बार टीका लगाया गया था। क्यूबेक की टीकाकरण दर उन लोगों के लिए 84 प्रतिशत पर बनी हुई है, जिन्होंने पहली खुराक प्राप्त की है जबकि 81 प्रतिशत उन लोगों के लिए जिन्होंने दोनों खुराक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो में रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या के लिए 7 दिन का औसत 729 रहा। एक सप्ताह पहले यह संख्या 635

थी और दो सप्ताह पहले यह 563 थी। ओंटारियो में शुक्रवार को 927 नए मामले सामने आए जबकि प्रांत ने 944 मामले दर्ज किए। शनिवार की रिपोर्ट कनाडा की घोषणा के एक दिन बाद आई है कि वह पिछले दो हफ्तों में दक्षिणी अफ्रीका से यात्रा करने वाले विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाएगा।

यह घोषणा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बी.1.1.529 को ओमीक्रोन के नए कोरोना वेरिएंट के रूप में नामित करने के बाद हुई, जिसे दक्षिण अफ्रीका और कुछ अन्य दक्षिणी अफ्रीकी देशों में खोजा गया था। महामारी की शुरूआत के बाद से, ओंटारियो में कोरोना के 616,051 पुष्टि मामले दर्ज किए हैं, जिसमें से 599,979 लोग रिकवर हुए और 9,993 लोगों की मौत हुई हैं , जिनमें से दो पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई थीं। कनाडा में शनिवार तक कोरोनावायरस के 2,183 नए मामले दर्ज किए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,784,354 हो गई जिसमें 29,628 मौतें शामिल हैं। कनाडा सरकार के निगरानी आंकड़ों से पता चलता है कि देश के कई क्षेत्रों में संक्रमण दर के साथ दैनिक मामलों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

कोविड-19 का नया स्वरूप ओमीक्रोन: बचने के 5 उपाय , 10 कदम तत्काल उठाएं

जोहानिसबर्ग।(एजेंसी)।
दक्षिण अफ्रीका में सार्स-कोव-2 वायरस के नए स्वरूप का पता लगने के बाद उस पर यात्रा प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने नाराजगी जताई है। यात्रा प्रतिबंध सबसे पहले ब्रिटेन ने लगाए थे। दक्षिण अफ्रीका में जीनोमिक निगरानी के लिए बना नेटवर्क महामारी शुरू होने के बाद से ही सार्स-कोव-2 (सामान्य में कारोना वायरस) में होने वाले बदलावों की निगरानी कर रहा है। वायरस के नए स्वरूप की पहचान बी.1.1.529के तौर पर की गई और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंता उत्पन्न करने वाला स्वरूप घोषित करने के साथ ओमीक्रोन नाम दिया है। ओमीक्रोन में अनुवांशिकी बदलाव की पहचान करने के आधार पर सैद्धांतिक रूप से चिंता जताई गई है कि यह स्वरूप डेल्टा स्वरूप के मुकाबले तेजी से फैल सकता है और पूर्व में हुए संक्रमण या टीके से उत्पन्न एंटीबॉडी के प्रति कम संवेदनशील है भले ही एंटीबॉडी पूर्व के स्वरूप को अच्छी तरह से निष्क्रिय करते हों। टीकों से उत्पन्न एंटीबॉडी की वायरस से लड़ने की क्षमता अलग-अलग है और ओमीक्रोन के प्रति कौन सा टीका कितना असरदार है, इसका स्तर अलग-अलग हो सकता है जैसा कि बीटा स्वरूप के साथ हुआ था। नए स्वरूप के मद्देनजर कुछ कदम हैं जो नहीं उठाए जाने चाहिए और कुछ कदम ऐसे भी हैं जो तत्काल उठाए जाने चाहिए क्या नहीं करें पहला, बिना सोचे समझे अधिक प्रतिबंध नहीं लगाए। दक्षिण अफ्रीका में महामारी की गत तीन लहरों में प्रतिबंध संक्रमण को कम करने में असफल साबित हुए हैं। खासतौर पर यह गौर करने के बाद की सीरो सर्वे और मॉडलिंग डाटा के मुताबिक यहां की 60 से 80 प्रतिशत आबादी वायरस से संक्रमित हुई है।

बेहतर है कि आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले प्रतिबंध केवल उतने समय के लिए लगाए जाएं जब संक्रमण हो और यह करीब दो से तीन सप्ताह की अवधि है। दक्षिण अफ्रीका के संदर्भ में प्रतिबंधों का उच्च स्तर अव्यवहारिक है क्योंकि यहां कि अधिकतर आबादी आम तौर पर गरीब है। दूसरा, घरेलू (या अंतरराष्ट्रीय) यात्रा पर रोक नहीं लगाई जाए क्योंकि इसके बावजूद वायरस फैलेगा जैसा कि पहले हुआ था। यह मानना बचकाना होगा कि कुछ देशों द्वारा यात्रा प्रतिबंध लगाने से वायरस के प्रसार को रोका जा सकता है। वायरस का प्रसार पूरी दुनिया में होगा बशर्ते कि आप द्विपीय देश हो और आप ने पूरी दुनिया से संपर्क तोड़ दिया हो। तीसरा, ऐसे नियमों की घोषणा नहीं करें जो स्थानीय संदर्भ में लागू नहीं किए जा सकें, और ऐसा नहीं दिखाएं कि लोग उन्हें मानेंगे। इनमें शराब की बिक्री शामिल है क्योंकि पुलिस इसकी कालाबाजारी रोकने में असफल होगी। चौथा, अधिक खतरे वाले लोगों को बचाने के तरीके में देरी या बाधा उत्पन्न नहीं करें। सरकारों द्वारा 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को दो खुराक के बाद फाइजर टीके की तीसरी खुराक दी जानी चाहिए। यह अन्य खतरे वाले समूह के लिए भी किया जाना चाहिए जैसे गुर्दे का प्रतिरोपण कराने वाले या कैंसर से जूझ रहे या कम प्रतिरोधक क्षमता से गुजर रहे लोगों को। पांचवा, सामुदायिक प्रतिरोधक क्षमता की चर्चा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि यह अमल में नहीं आने वाला है और टीके के प्रति लोगों के भरोसे को कमतर करता है। पहली पीढ़ी के टीके कोविड-19 के गंभीर मामलों के लिए प्रभावी है लेकिन हल्के लक्षण वालों की रक्षा में कम एंटीबॉडी के स्तर या वायरस के नए स्वरूप के मामले में पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। टीकाकरण से संक्रमण दर काफी होगी जो मायने रखता है लेकिन हमारे जीवनकाल में 'सामुदायिक प्रतरोधक' क्षमता प्राप्त करना शायद संभव नहीं है। ऐसे में हमें यह बात करनी चाहिए कि कैसे हम वायरस के साथ रह सकते हैं। ऐसे कार्यों की भी सूची है जिन्हें ओमीक्रोन स्वरूप के मद्देनजर किया जाना चाहिए भले ही यह डेल्टा स्वरूप का स्थान लेता हो या नहीं। क्या करना चाहिए पहला, सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य सेवा इसके लिए तैयार हो और यह केवल कागज पर नहीं हो बल्कि वास्तव में कर्मचारी, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और ऑक्सीजन आदि की व्यवस्था हो। दूसरा, जॉनसन ऐंड जॉनसन (जे ऐंड जे) टीके की एक खुराक लेने वाले सभी वयस्कों को जे ऐंड जे या फाइजर की बूस्टर खुराक मुहैया कराई जाए। इससे कोविड के गंभीर मामलों से बचाव होगा। जे ऐंड जे टीके की एक खुराक से दक्षिण अफ्रीका में डेल्टा स्वरूप से संक्रमित स्वास्थ्य कर्मियों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में 62 प्रतिशत की कमी आई जबकि एस्ट्राजेनेका और एमआरएनए की दो खुराक लेने वालों में सुरक्षा का स्तर 80 से 90 प्रतिशत तक रहा। तीसरा, बंद स्थान में आयोजित कार्यक्रमों या अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वालों के लिए टीका पासपोर्ट की व्यवस्था लागू की जाए, जिनमें प्रार्थना स्थल और सार्वजनिक परिवहन शामिल हो। टीकाकरण कराना या नहीं करना मौजूदा समय में वैकल्पिक है लेकिन इस विकल्प का दुष्प्रभाव पड़ता है। चौथा, टीकाकरण नहीं कराने या एक खुराक लिए लोगों तक पहुंचने का निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए। ऐसे में शिविर का आयोजन करना जहां लोग टीका लगवा सके और लक्षित समूह तक पहुंचने का कार्यक्रम शामिल है। पांचवां, तत्काल 65 साल से अधिक उम्र के सबसे खतरे वाले लोगों और उन लोगों को जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम है उनकी सुरक्षा के उपाय किए जाए। टीकाकरण का प्राथमिक उद्देश्य इसलिए गंभीर बीमारी और मौत के खतरे को कम करना होना चाहिए। इसके लिए लक्षित रणनीति बनाई जानी चाहिए कि किसे प्राथमिकता दी जाएगी। छठा, जिम्मेदारी वाले व्यवहार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि

कुछ लोगों की गैरजिम्मेदारी की वजह से शराब और अन्य प्रतिबंध के रूप में सभी को सजा नहीं दी जाए। सातवां, क्षेत्रीय स्तर पर अस्पतालों के बिस्तरों की निगरानी की जाए ताकि किसी एक केंद्र पर अधिक दबाव नहीं हो। स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव बढ़ने की आशंका होने पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाने की जरूरत है। आठवां, वायरस के साथ रहने की कला सीखें और जीविकोपार्जन पर महामारी से पड़ने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष असर पर समग्र रुख अपनाएं। नौवां, विज्ञान का अनुकरण करें, राजनीति लाभ के लिए इसे विकृत नहीं करें। दसवां, पूर्व की गलतियों से सीखें और अगला कदम उठाने के लिए साहसिक रुख अपनाएं।

सार समाचार

परगट सिंह की चुनौती स्वीकार करते हुए मनीष सिसोदिया जारी की 250 बेस्ट स्कूलों की लिस्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के 250 सरकारी विद्यालयों की सूची जारी की, जिनका कायाकल्प आम आदमी पार्टी की सरकार ने गत पांच वर्षों में किया है। साथ ही, उन्होंने पंजाब को इसी तरह की सूची जारी करने की चुनौती दी, ताकि विद्यालयों में सुधार और उनके विकास के आधार पर दोनों सरकारों की तुलना की जा सके।

सिसोदिया ने कहा कि पंजाब के शिक्षामंत्री परगट सिंह ने आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार ने शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कोई काम नहीं किया है और चुनौती दी थी कि वह 250 विद्यालयों को देखना चाहते हैं जिनमें दिल्ली सरकार ने सुधार किया है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इसलिए मैं आज दिल्ली सरकार के 250 विद्यालयों की सूची जारी कर रहा हूं, जिनका कायाकल्प गत पांच वर्षों में किया गया है। मैं पंजाब के शिक्षामंत्री से मांग करता हूं कि वह भी 250 सरकारी विद्यालयों की सूची जारी करें जहां सुधार किया गया है।'' सिसोदिया दिल्ली के शिक्षा मंत्री भी हैं। सिसोदिया ने कहा कि पंजाब के शिक्षामंत्री इन (दिल्ली सरकार के) विद्यालयों का कभी भी दौरा कर सकते हैं और इसी प्रकार वह पंजाब सरकार के विद्यालयों की वास्तविकता जानने के लिए वहां का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि आज शाम (रविवार) तक पंजाब के शिक्षामंत्री सूची जारी कर देंगे। हम दोनों मीडिया के साथ वास्तविकता की जांच करने के लिए पंजाब और दिल्ली के विद्यालयों का दौरा कर सकते हैं। इसके बाद जनता तय करेगी कि किस सरकार ने बेहतर काम किया है।

कर्नाटक में कोरोना संक्रमित के डेल्टा स्वरूप से संक्रमित पाए गए दो दक्षिण अफ्रीकी,

बेंगलुरु। कर्नाटक में कोरोना वायरस से संक्रमित दो दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों में वायरस का डेल्टा स्वरूप मिला है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों दक्षिणी अफ्रीकी नागरिक वायरस के डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों क्रमशः 11 नवंबर और 20 नवंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और इससे उन्हें 'ओमीक्रोन' स्वरूप से संक्रमण होने की आशंका दूर हो गई है जिसको लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। अधिकारी के मुताबिक कि एक नवंबर से 26 नवंबर के बीच 94 लोग दक्षिण अफ्रीका से कर्नाटक में आए हैं जिनमें से दो को कोविड-19 होने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि दोनों संक्रमितों को पृथक-वास में रखा गया है और अधिकारी उन पर नजर रखे हुए हैं।

दिल्ली पुलिस और आईपीएस श्वेता भी कुछ नहीं बिगाड़ सकते, गौतम गंभीर को मिला एक और धमकी भरा ई-मेल

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को एक बार फिर आतंकी समूहों की तरफ से धमकी मिली है। गौतम गंभीर को कथित तौर पर 'आईएसआईएस कश्मीर' से तीसरी धमकी वाला ई-मेल मिला है, मेल में दिल्ली पुलिस का भी जिक्र किया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार गौतम गंभीर को भेजे गए आतंकवादी ग्रुप की तरफ से भेजे गए धमकी भरे मेल में दिल्ली पुलिस का भी जिक्र किया गया है। कहा गया है कि उनकी सुरक्षा में लगी पुलिस भी कुछ नहीं कर पाएगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जिस ई-मेल आईडी से मैसेज आया है, वह isiskashmir@yahoo.com है। इसमें लिखा गया है कि दिल्ली पुलिस और आईपीएस श्वेता चौहान भी कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं। हमारे जासूस पुलिस के अंदर मौजूद हैं, जो तुम्हारे बारे में सारी जानकारी दे रहे हैं। पिछले बुधवार को क्रिकेटर से नेता बने पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने दिल्ली पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया था कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। उनकी शिकायत में कहा गया कि आईएसआईएस कश्मीर की तरफ से जान से मारने की धमकी मिली। उन्होंने पुलिस से प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने और उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया। जिसके बाद पुलिस ने गौतम गंभीर के घर की सुरक्षा बढ़ा दी और मामले की जांच भी शुरू कर दी।

गोपाल राय करेंगे वायु प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा, करेंगे उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया,मंत्री संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेंगे और मौजूदा समय में दिल्ली में ट्रक के प्रवेश और निर्माणकार्यों पर रोक के अलावा और क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इसपर विचार विमर्श करेंगे।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय भी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। दिल्ली सरकार ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण कार्य और ढहाने संबंधी गतिविधियों पर दोबारा रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में निर्माण गतिविधियों पर रोक से प्रभावित होने वाले कामगारों को उनकी सरकार पांच-पांच हजार रुपये की वित्तीय मदद देगी और न्यूनतम वेतन में हुए नुकसान की भी क्षतिपूर्ति करेगी। इस बीच, सोमवार को दिल्ली के स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान तथा सरकारी कार्यालय दोबारा खुलेंगे, लेकिन आवश्यक सेवाओं के अलावा अन्य ट्रक के दिल्ली में प्रवेश पर तीन दिसंबर तक रोक जारी रहेगी। सरकार ने सीएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रक को प्रवेश की अनुमति दी है।

वैक्सीन से मौत की जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रिं कोर्ट ने कहा- असंतुष्ट हमेशा रहेंगे, नीति उनके अनुसार नहीं बनाई जा सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैक्सीनेशन से मौतों की जांच वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि टीके पर संदेह नहीं कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से कहा गया कि असंतुष्ट हमेशा रहेंगे, लेकिन नीति उनके अनुसार नहीं बनाई जा सकती है। वविश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे मंजूरी दी है, लाखों लोग इसे लगवा रहे हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने कहा, 'हम यह संदेश नहीं भेज सकते कि टीकाकरण में कुछ समस्या है। हम इस पर संदेह नहीं कर सकते।'

अजय कुमार गुप्ता की तरफ से एक जनहित याचिका दायर कर टीकाकरण के बाद होने वाली सभी मौतों की जांच की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने बढ़ती मौतों और कोविड वैक्सीनेशन के बाद 30 दिनों के भीतर होने वाली मौतों के मामलों की जांच के निर्देश देने को याचिका दाखिल की है। याचिकाकर्ता के वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा कि वैक्सीनेशन के बाद प्रतिकूल घटनाएं हुई हैं। अन्य देशों के विपरीत भारत में इसे रिपोर्ट किया गया। उन्होंने भारत में कोविड के खिलाफ टीकाकरण शुरू होने के बाद से 9,000 से अधिक आंकी थी। जबकि आरोप लगाया था कि यदि वैक्सीन लेने के बाद किसी की मौत हो जाती है, तो कोई उचित जांच या शव परीक्षण नहीं किया जाता है ।

पीठ ने कहा कि सरकार द्वारा बनाई गई किसी भी प्रकार की नीति के लिए हमेशा असहमति होगी। हमेशा असहमत होने के कारण होते हैं लेकिन हम उनके अनुसार अपनी नीति नहीं बना सकते। कोविड के खिलाफ प्रत्येक भारतीय का टीकाकरण करने का निर्णय डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुरूप है। अमेरिका जैसे विकसित देशों द्वारा भी ऐले कदम उठाए गए हैं। हम उस दिशा में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं और पूरी आबादी को टीका लगाने की प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण चरण में है। हम इस प्रक्रिया को रोकना नहीं चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ूंगा: उमर अब्दुल्ला

बनिहाल/जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का विशेष तथा तथा पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ने का शनिवार को संकल्प लिया। अब्दुल्ला श्रीनगर में 15 नवंबर को हुए विवादित मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से एक युवक के परिवार से मिलने रामबन जिला में स्थित उसके घर गए थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला चेनाब घाटी के आठ दिन के दौरे पर हैं और दूसरे दिन वह गुल इलाके में पहुंचे। चेनाब घाटी मेंजम्मू कश्मीर के रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिले आते हैं। गुल में एक रैली में अब्दुल्ला ने कहा, ''...हम अपने या अपने घरों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई आपके (जम्मू-कश्मीर की जनता) और आपके हितों रक्षा के लिए है। हमारी लड़ाई हमारे उन अधिकारों की बहाली के लिए है, जो पांच अगस्त, 2019 को हमसे छीन लिये गए थे और हम अपनी अंतिम सांस तक लड़ते रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि यह सच्चाई और न्याय की लड़ाई है और जो यह लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाते बल्कि इसे अंजाम तक पहुंचाते हैं।

सपा, बसपा और कांग्रेस को यूपी चुनाव से पहले लगा बड़ा झटका, बीजेपी में शामिल हुए कई बड़े नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले नेताओं के दल बदलने का क्रम शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में रविवार के दिन समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस को यूपी चुनाव से ठीक पहले करारा झटका लगा है। गाजीपुर से विधायक रहे विजय मिश्र और कांग्रेस नेता व तीन बार के पूर्व मंत्री जगनारायण तिवारी, बीएसपी के बूथ अध्यक्ष और दिल्ली के प्रभारी मनोज दिवाकर ने आज अपने समर्थकों के साथ बीजेपी की सदस्यता ले ली। इसके साथ ही 8 अन्य दलों के नेता भी भाजपा में शामिल हो गए। लखनऊ में बीजेपी कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने इन नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इससे चुनाव से पहले बीजेपी और मजबूत होती नजर आ रही है।

बीजेपी में शामिल होने वाले जयनारायण तिवारी कांग्रेस और सपा से विधायक रह चुके हैं। वहीं विजय मिश्रा सपा की पिछली सरकार में मंत्री थे। साल 2017 में वो बसपा में शामिल हो गए थे। इसके बीजेपी में शामिल होने वाले राम शिरोमणि शुक्ला कांग्रेस पार्टी से संबंध रखते हैं। वो कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

बीजेपी में आज से यानी 28 नवंबर से दूसरे दलों से आए नेताओं के शामिल होने का सिलसिला चलेगा। 3 दिनों तक चलने वाले ज्वाइनिंग में सपा, बसपा और कांग्रेस के पूर्व विधायकों के अलावा पूर्व जिला पंचायत सदस्य व स्थानीय निकाय के एमएलसी बीजेपी की सदस्यता लेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग रोज बीजेपी का दामन थामेंगे।

राकेश टिकैत ने किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी के लिए कानून की मांग की

मुंबई। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को मांग की कि केंद्र देश में किसानों के हितों की रक्षा के लिए फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के लिए एक कानून लाये। मुंबई में संयुक्त शेतकरी कामगार मोर्चा (एसएसकेएम) के बैनर तले आजाद मैदान में आयोजित 'किसान महापंचायत' में हिस्सा लेने आये टिकैत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एमएसपी के समर्थक थे, जब वह गुजरात मुख्यमंत्री थे और वह किसानों के हितों की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कानून चाहते थे। उन्होंने मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर इस मुद्दे पर बहस से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''केंद्र को किसानों को एमएसपी की गारंटी देने के लिए एक कानून लाना चाहिए। कृषि और श्रम क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है और हम उन्हें उजागर करने के लिए पूरे देश में यात्रा करेंगे।''

टिकैत ने यह भी मांग की कि केंद्र के तीन कृषि विपणन कानूनों के खिलाफ साल भर के विरोध प्रदर्शन में जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों को वित्तीय सहायता दी जाए। इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के सरकार के फैसले की घोषणा की थी, जो किसानों के विरोध के केंद्र में थे। कई किसान तीन कृषि कानूनों- कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) कानून, कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार कानून और आवश्यक वस्तु संशोधन कानून, 2020- के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर नवंबर 2020 से ही प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र ने प्रदर्शनकारी किसानों के साथ कई दौर की बातचीत की थी। उसका कहना था कि कानून किसानों के हित में हैं, जबकि प्रदर्शनकारियों का दावा था कि कानूनों के कारण उन्हें कॉर्पोरेट घरानों की दया पर छोड़ दिया जाएगा।

पिछली सरकार के विपरीत मोदी सरकार ने करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान दिया: ईरानी

लखनऊ/रायबरेली(एजेंसी।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुये कहा कि देश में 50 साल से अधिक समय तक एक ही परिवार का राज रहा वह लेकिन वह पांच लाख शौचालय भी नहीं बनवा सका, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने उत्तर प्रदेश में करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दिया है।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को यहां विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कमल शक्ति संवाद के तहत एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये राज्य और केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और उत्थान से जुड़ी उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। ईरानी ने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी तो आप पर एहसान मढ़ती थी और भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जो हाथ जोड़कर आप के प्रति आभार व्यक्त करती है।पचाससाल से अधिक समय तक एक ही परिवार का राज रहा लेकिन पांच लाख शौचालय भी नहीं बनवा सका, जबकि मोदी जी के नेतृत्व में हमने राज्य में करोड़ों शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दिया है।

उन्होंने महिलाओं को पूर्व सरकार के कार्यकाल कि याद दिलाते हुए कहा की वह डर जो केवल बेटी के लिए नहीं बल्कि मां के लिए भी अभिशाप बन जाता था, वह मां जो दरवाजे पर नजरें टिका कर रखती थी कि सूरज ढलने से पहले भगवान करे बेटी लौट आए और लौटे तो सम्मान से ही लौटे।

केजरीवाल ने किया पीएम मोदी से आग्रह, कोरोना वायरस के नए स्वरूप से प्रभावित देशों की उड़ानों पर लगे रोक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप से प्रभावित देशों से भारत आने वाली उड़ानों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में लिखा है, ''हमारे देश ने पिछले डेढ़ साल में कोरोना वायरस के खिलाफ मुश्किल लड़ाई लड़ी है। काफी कठिनाइयों के बाद और हमारे लाखों कोविड योद्धाओं की निस्स्वार्थ सेवा के कारण हमारा देश कोरोना वायरस से उबर पाया है।'' उन्होंने पत्र में लिखा है, ''हमें डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) द्वारा हाल में पता लगाये गए इस नए चिंताजनक स्वरूप को भारत में आने से रोकने के लिए हरसंभव कदम उठाना चाहिए...मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इन क्षेत्रों से आने वाली उड़ानों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाएं। यदि कोई संक्रमित व्यक्ति भारत आ गया, तो इस संबंध में कोई भी देरी घातक साबित हो सकती है।'' यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत कई देशों ने कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन से प्रभावित क्षेत्रों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं।

'ओमीक्रोन' को लेकर दुनियाभर में पैदा हुई चिंताओं के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अग्रसक्रिय दृष्टिकोण' अपनाने की आवश्यकता पर शनिवार को बल दिया था और संभावित खतरों के मद्देनजर अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने की योजना की समीक्षा करने को भी कहा था। प्रधानमंत्री ने लोगों से अत्यधिक सतर्क रहने तथा मास्क पहनने एवं उचित दूरी सहित बचाव के सभी अन्य उपायों का अनुपालन करने की भी अपील की। देश में कोविड-19 की स्थिति और जारी टीकाकरण अभियान की समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की थी। लगभग दो घंटे चली इस बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को ''चिंता का विषय'' बने 'ओमीक्रोन' और उसकी प्रकृति, विभिन्न देशों में इसके प्रभाव और भारत पर इसके असर के बारे में जानकारी दी और साथ ही इसके संभावित प्रभावों पर भी चर्चा की। केंद्र ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा था कि दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना से आने वाले या इन देशों के रास्ते आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी जांच की जाए। इन देशों में कोविड-19 के नए स्वरूप के सामने आने की सूचना है। इस बीच, दिल्ली सरकार ने अफ्रीकी देशों से कोविड-19 के नए स्वरूप के खतरे के मद्देनजर उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा के लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की सोमवार को एक बैठक बुलाई है।

सर्वदलीय बैठक में 31 पार्टियों के 40 नेता हुए शामिल, 'आप' ने किया वॉकआउट, इन मुद्दों को लेकर हुई चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार की ओर से रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में अधिकतर विपक्षी दलों ने पेगासस जासूसी विवाद, महंगाई, किसानों, न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर कानून बनाए जाने, बेरोजगारी, लद्दाख में चीन के अतिक्रमण सहित कुछ अन्य मुद्दों पर चर्चा किए जाने की मांग की और सरकार को रचनात्मक मुद्दों पर सकारात्मक सहयोग देने का आश्वासन दिया। सरकार ने विपक्षी दलों को आश्वस्त किया कि वह विपक्ष के सकारात्मक सुझावों पर विचार करने और नियमों के तहत अध्यक्ष एवं सभापति की अनुमति से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराने को तैयार है।

सर्वदलीय बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी के अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस नेता आनंद शर्मा, तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय, डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक नेता टी आर बालू, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्र, बीजद के प्रसन्न आचार्य, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, शिवसेना नेता विनायक राउत आदि मौजूद थे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपस्थित नहीं थे। बैठक के बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, '' सर्वदलीय बैठक में 15-20 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सभी दलों ने मांग की कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने पर सरकार तुरंत ध्यान दे। '' उन्होंने कहा कि इसके अलावा बिजली संशोधन विधेयक पर भी सरकार से ध्यान देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनसे कहा कि कुछ विधेयकों को पेश करने के बाद वह उसे संसद की स्थायी समिति को भेजना चाहती है और इस बारे में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में तय हो जायेगा। खड़गे ने कहा, '' हम सरकार को सहयोग करना चाहते हैं।

अच्छे विधेयक आयेंगे, तब हम सरकार का सहयोग करेंगे। अगर हमारी बात नहीं मानी (चर्चा को लेकर)गई, तब सदन में व्यवधान की जिम्मेदारी सरकार की होगी।'' कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि बैठक में कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के बारे में भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, '' हमने सरकार से मांग की है कि कोविड महामारी के कारण जान गंवाने वालों को 4 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को भी मुआवजा दिया जाए।'' खड़गे ने कहा, ''हम अपेक्षा कर रहे थे कि बैठक में प्रधानमंत्री आएंगे, लेकिन किसी कारण से वह नहीं आए।'' उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री से कृषि कानूनों को लेकर कुछ बातों पर स्थिति स्पष्ट करना चाहते थे।'' संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संवाददाताओं का बताया, '' सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के 42 नेताओं ने हिस्सा लिया। इसमें विभिन्न विषयों पर रचनात्मक चर्चा हुई और विपक्ष की ओर से कुछ अच्छे सुझाव आए।'' उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के सकारात्मक सुझावों पर विचार करने और नियमों के तहत अध्यक्ष एवं सभापति की अनुमति से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराने को तैयार है। जोशी ने कहा, '' हमने अपील की है कि सदन में बिना किसी व्यवधान के कामकाज हो। विपक्ष ने भी आश्वस्त किया है कि वे सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करेंगे।'' वहीं, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह बीच में ही बैठक छोड़कर बाहर निकल गए। सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि वे बैठक में किसानों, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने के विषय को उठा रहे थे, लेकिन बीच में ही टोका-टोकी की गई। सिंह ने आरोप लगाया कि कि संसद में भी नहीं बोलने दिया जाता है और यहां बैठक में भी टोका-टोकी की गई। ऐसे में बैठक में रहने का कोई अर्थ नहीं है। विपक्षी नेताओं ने पश्चिम बंगाल सहित कुछ राज्यों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने, संघीय ढांचे तथा महिला आरक्षण विधेयक का मुद्दा भी उठाया। समझा जाता है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं-सुदीप बंदोपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन ने लाभकारी सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून लाने का मुद्दा भी उठाया। बैठक में तृणमूल कांग्रेस ने 10 बिन्दुओं को उठाया, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, संघीय ढांचे का मुद्दा, मुनाफा कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के

उपक्रमों के विनिवेश, कुछ राज्यों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने, संघीय ढांचे, कोविड-19 की स्थिति तथा महिला आरक्षण विधेयक आदि का मुद्दा शामिल है। गौरतलब है कि संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 29 नवंबर से शुरू होकर 23 दिसंबर तक चलेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसडीएम कॉलेज में कोरोना संक्रमितों की संख्या पहुंची 306, दो हॉस्टल सील, एंट्री बैन

नई दिल्ली। कर्नाटक के धारवाड़ जिले के एसडीएम कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में कोरोना वायरस संक्रमित छात्रों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। कॉलेज में कोरोना संक्रमित छात्रों की संख्या अब 306 पहुंच गई है। शुरू में यह 66 छात्र संक्रमित मिले थे, जिसके बाद यह संख्या 281 पहुंची और संक्रमितों का आंकड़ा 300 के पार पहुंच गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेज में कोरोना वायरस के विस्फोट के बाद दो हॉस्टलों को सील कर दिया गया है। कोरोना संक्रमित छात्रों की इलाज हॉस्टल के कमरे में ही किया जा रहा है। हालांकि, सावधानी के तौर पर हॉस्टल परिसर में एंट्री पूरी तरह से बैन है। शनिवार को कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा कि कॉलेज परिसर में 281 केस मिलने के बाद कैंसप कोविड-19 का क्लस्टर बन गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद परिसर में हुआ कोरोना विस्फोट

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा मुझे बताया गया है कि परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम था जिसके बाद वहां कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सभी 1788 छात्रों का टेस्ट किया है, कुछ की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल में कोरोना वायरस 34 और 12 केस सामने आए हैं। हालांकि, इनमें से किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में कोविड-19 से लड़ाई के लिए सख्त प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए कहा कि हम प्रतिबंध लगाने की स्थिति में नहीं हैं। शादियां और अन्य कार्यक्रम भी चल रहे हैं। धारवाड़ जिला प्रशासन ने एसडीएम कॉलेज के 500 मीटर के दायरे में आने वाले सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए हैं। आसपास के इलाकों को सेनेटाइज किया गया है। कॉलेज में विजिटरों का प्रवेश भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

देश के लिए कुछ करने की भी प्रेरणा देता अमृत महोत्सव, मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। मेरे प्यारे देशवासियो नमस्कार, आज हम एक बार फिर मन की बात के लिए जुड़ रहे हैं। दो दिन बाद दिसंबर शुरू हो रहा है। दिसंबर आते ही हम नए साल के लिए ताना-बाना बुनना शुरू कर देते हैं। मैं इन सभी अवसरों पर देश के सुरक्षाबलों का स्मरण करता हूं।

हमेशा की तरह इस बार भी मुझे नमो ऐप पर आप सबके ढेर सारे सुझाव मिलते हैं। आप सबने मुझे अपना मानते हुए सुख-दुख भी साझा किए हैं। मुझे खुशी है कि मन की बात से आप सब मन से जुड़ ही रहे हैं, सकारात्मकता भी फैल रही है। सीतापुर के एक लड़के ने लिखा है कि उन्हें अमृत महोत्सव से जुड़ी खबरें खूब पसंद आ रही हैं। यह मौका हमें देश के लिए कुछ सीखने का भी मौका देता है। ऐसा ही एक रोचक प्रोग्राम पिछले दिनों दिल्ली में हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी कहानियों को पूरे जोश से प्रस्तुत किया।

हमेशा की तरह इस बार भी मुझे नमो ऐप पर आप सबके ढेर सारे सुझाव मिलते हैं। आप सबने मुझे अपना मानते हुए सुख–दुख भी साझा किए हैं। मुझे खुशी है कि मन की बात से आप सब मन से जुड़ ही रहे हैं, सकारात्मकता भी फैल रही है। सीतापुर के एक लड़के ने लिखा है कि उन्हें अमृत महोत्सव से जुड़ी खबरें खूब पसंद आ रही हैं। यह मौका हमें देश के लिए कुछ सीखने का भी मौका देता है। ऐसा ही एक रोचक प्रोग्राम पिछले दिनों दिल्ली में हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी कहानियों को पूरे जोश से प्रस्तुत किया।

ऑस्ट्रेलिया में बनी आर्ट गैलरी की तारीफ की–पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एक जगह है पर्थ, जो क्रिकेट के लिए प्रसिद्ध है। वहां सेकरेड इंडिया गैलरी है। इसे ऑस्ट्रेलिया की निवासी जगततारिणी जी की कोशिशों का नतीजा है। उनका जन्म वहीं हुआ, लेकिन 13 साल वृंदावन में रहीं। उनका कहना है कि लौटने के बाद भी वे वृंदावन को भूल नहीं पाईं। इसलिए उन्होंने वहीं एक वृंदावन खड़ा कर दिया। यहां आने वाले लोगों को भारत के तीर्थ और संस्कृति देखने को मिलती है। एक कलाकृति ऐसी भी है, जिसमें भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा रखा है। उनकी कृष्ण भक्ति के लिए उन्हें बहुत बहुत बधाई देता हूं।

प्रकृति के संरक्षण पर जोर

जब हम प्रकृति का संरक्षण करते हैं, तो प्रकृति भी हमें संरक्षण देती है। यह उदाहरण तमिलनाडु के तुतुगुड़ी का है। यहां कई इलाकों के समुद्र में डूबने का खतरा था। लोगों ने इसका इलाज प्रकृति से ही खोजा। लोगों ने उन पर खास तरह के पौधे लगाए, जो तूफान और पानी में भी बची रहती है। ऐसी ही कोशिशें दूसरी जगह भी हो रही हैं।

अक्टूबर में वैक्सीनेशन पर चर्चा की

इससे पहले अक्टूबर में प्रधानमंत्री ने देश को 100 करोड़ वैक्सीनेशन पर बधाई दी थी। मन की बात के पिछले एपिसोड में पीएम ने आजादी के आंदोलन को याद करने, बिरसा मुंडा की तरह अपनी जड़ों से जुड़ने और तकनीक का इस्तेमाल कर आगे बढ़ने पर जोर दिया था।

पूर्वोत्तर भारत में बन रहा विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल, कुतुबमीनार से दोगुना ऊंचा होगा

इंफाल। पूर्वोत्तर भारत में विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल बनाया जा रहा है। इसकी ऊंचाई 141 मीटर होगी, जो कि कुतुबमीनार से लगभग दोगुनी है। 110 किलोमीटर लंबी जिरीबाम-इंफाल रेल लाइन परियोजना के तहत नोने जिले में इसका निर्माण किया जा रहा है। इस क्षेत्र के इको सेंसिटिव जोन होने के कारण पुल को भूकंपरोधी बनाया जा रहा है। यह रिक्टर स्केल पर 8.5 तीव्रता के भूकंप के झटके आसानी से सह सकता है। यह परियोजना दिसंबर 2023 में पूरी हो जाएगी।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे जोन के अधिकारियों ने बताया कि जिरीबाम-इंफाल परियोजना के 110.625 किलोमीटर सेक्शन बेगायचंपो में 12 किलोमीटर ट्रैक बिछाया जा चुका है। इस सेक्शन पर ट्रेन परिचालन शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मणिपुर की बड़ी आबादी इंफाल में रहती है। इस ट्रैक पर मालगाड़ी चलने से लोगों को आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाइयां, पेट्रोलियम पदार्थ और इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि की तेजी से आपूर्ति संभव हो पाएगी। नोने रेल पुल परियोजना के प्रभारी संदीप शर्मा ने बताया कि जिरीबाम-इंफाल परियोजना पर छोटे-बड़े 151 रेल पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें विश्व के सबसे ऊंचे नोने रेल पुल के लिए सात पिलर का निर्माण किया जा रहा है। पांच पिलर बन चुके हैं और दो पर काम जारी है। दो पिलर की ऊंचाई 141 मीटर है। बाकी इससे छोटे हैं। पिलर के ऊपर रेल ट्रेक बिछाने के लिए ढांचा रखा जाएगा, जिससे यह पुल कुतुबमीनार से दो गुना ऊंचा हो जाएगा। इस पुल की लंबाई 703 मीटर है। इस परियोजना में 46 टनल बनेंगी। संदीप शर्मा के मुताबिक, जिरीबाम-इंफाल परियोजना का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। परियोजना पर कुल 14,322 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसमें 11 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इससे मणिपुर-असम के बीच रेल कनेक्टिविटी बनेगी।

चेक पर विवरण कोई भी भरे, हस्ताक्षर किए तो करना ही होगा भुगतान

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने चेक बाउंस मामले में आरोपी को झटका देते हुए निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि याची की इस दलील को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि चेक पर उसके हस्ताक्षर हैं, लेकिन इसे भरा किसी और ने है, जिसकी उसे जानकारी नहीं है।

पंचकूला निवासी पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि याची ने उसके पति से 15 अक्तूबर 2011 में 8 लाख रुपये उधार लिए थे। इसके बाद 15 दिसंबर 2013 को शिकायतकर्ता के पति की मौत हो गई थी। शिकायतकर्ता ने याची से उधार की राशि लौटाने को कहा तो याची ने उसे 31 मार्च 2014 को एक चेक थमा दिया। जब इस चेक को लगाया गया तो यह बैलेंस न होने की वजह से बाउंस हो गया। इसके चलते सीजेएम की कोर्ट में शिकायत दी गई।

सीजेएम ने 18 मई 2016 को शिकायतकर्ता के हक में फैसला सुनाते हुए 8 लाख रुपये की राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाने और याची को एक साल की कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को एडिशनल सेशन जज की अदालत में चुनौती दी गई। एडिशनल सेशन जज ने भी याची की दलीलों से असहमति जताते हुए सीजेएम के फैसले पर मोहर लगा दी थी। इन दोनों फैसलों के खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने याची की दलीलों से असहमति जताते हुए कहा कि याची चेक जारी करने के बाद इसमें तय राशि को देने की अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि चेक पर विवरण किसी और के भरने की दलील भी मान ली जाए तो चेक पर हस्ताक्षर याची के हैं, वह स्वीकार कर चुका है। ऐसे में विवरण किसी और के भरने पर भी याची को तय की गई राशि का भुगतान करना ही होगा।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार मेटाडोर, 17 की मौत; कई घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक भीषण सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत होने की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा शनिवार रात हुआ। दुर्घटना में पांच अन्य लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की भी जानकारी है।

इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब उत्तर 24 परगना के बगदा से शवों को लेकर 20 से अधिक लोग मेटाडोर में नवद्वीप श्मशान घाट की ओर जा रहे थे।

यह मेटाडोर फुलबाड़ी इलाके में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकराई। हादसा हंसखली पुलिस स्टेशन इलाके में हुआ। दुर्घटना में कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा घने कोहरे और वाहन की तेज रफ्तार के कारण हुआ है। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस फिलहाल जांच में जुट गई है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में काशी में फिर मनेगी 'देव दीपावली', दिसंबर में फिर सजेगी दीपमाला

वाराणसी। देवों के स्वागत के लिए सदैव आतुर महादेव की नगरी काशी में 13 दिसंबर को फिर से देव दीपावली सा नजारा होगा। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के ऐतिहासिक अवसर पर उत्सवधर्मी काशी की गलियों से लेकर घाट तक दीपमाला सजाई जाएगी। राजघाट और चेतसिंह घाट से लेजर शो के जरिये गंगा की लहरों पर शिव महिमा का बखान होगा। विश्वनाथ मंदिर सहित काशी के अन्य देवालयों की भव्य सजावट के साथ दीपदान करने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर की सुबह काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण देश के प्रमुख संतों की उपस्थिति में करेंगे। काशीपुराधिपति के 50 हजार वर्गमीटर में बनकर तैयार भव्य दरबार के लोकार्पण अवसर पर बनारस की विश्वविख्यात देव दीपावली की तर्ज पर दुनियाभर के शिवालयों को सजाने की योजना है। बाबा विश्वनाथ के भव्य दरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से लेकर प्रस्थान तक के विशेष अनुष्ठान का पूरा लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सभी सरकारी भवनों पर भी भव्य सजावट की जाएगी। शहर में व्यापार मंडल, व्यावसायिक संगठन, सामाजिक संगठन सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से सजावट व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में बनकर तैयार 19 भवनों के संचालन की रूपरेखा तय की जाएगी।

सभी सरकारी भवनों पर भी भव्य सजावट की जाएगी। शहर में व्यापार मंडल, व्यावसायिक संगठन, सामाजिक संगठन सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से सजावट व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में बनकर तैयार 19 भवनों के संचालन की रूपरेखा तय की जाएगी। इन्हीं भवनों में 14 दिसंबर से 14 जनवरी तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के आयोजन कराए जाएंगे।

देश की प्रमुख नदियों के जल से होगा बाबा का अभिषेक

13 दिसंबर को विश्वनाथ धाम में होने वाले पूजा-पाठ में भारत की प्रमुख नदियों के जल से बाबा विश्वनाथ का अभिषेक किया जाएगा। द्वादश ज्योतिर्लिंग के प्रमुख पुजारियों को भी इस आयोजन का आमंत्रण भेजा जा रहा है। इसके साथ ही अलग-अलग संप्रदाय के प्रमुख संतों को भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनाया जाएगा।

नए वैरिएंट को लेकर डब्ल्यूएचओ ने एशियाई देशों को किया आगाह, अंतरराष्ट्रीय यात्रा के जोखिमों की ओर इशारा, नहीं चेते तो...

नई दिल्ली। डब्ल्यूएचओ की सलाहकार समिति ने दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पाए गए कोरोना के नए वैरिएंट को बेहद संक्रामक और चिंताजनक प्रकार करार दिया है। इसे ओमीक्रान नाम दिया गया है। इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों में निगरानी बढ़ाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत करने और टीकाकरण कवरेज बढ़ाने की सलाह दी है। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने उत्सवों और समारोहों में सभी एहतियाती उपाय अपनाने के साथ ही भीड़ और बड़ी सभाओं से बचने को कहा है।

जारी रखनी होगी लड़ाई, बचाव ही उपाय–दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डा . पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि इस वैरिएंट को लेकर निराश होने की जरूरत नहीं है। भले ही दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश देशों में कोविड-19 मामलों में गिरावट आ रही है लेकिन दुनिया के दूसरे हिस्से में वैरिएंट आफ कंसर्न के नए वायरस का मिलना जोखिम का एहसास कराता है। कोरोना को हराने को लेकर हमें अपना काम जारी रखने की आवश्यकता है। वायरस से बचाव ही सबसे अच्छा तरीका है।

बाहरी मुल्कों से आने वाले जोखिमों की ओर इशारा–उन्होंने कहा कि देशों को सतर्कता और निगरानी बढ़ाना चाहिए और फैल रहे वैरिएंट के बारे में ताजा जानकारी के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के माध्यम से आने वाले जोखिम का आकलन करना चाहिए।

साथ ही इससे बचाव के हर संभव कदम उठाना चाहिए। यही नहीं संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक उपायों को जारी रखना चाहिए। सबसे पहले सुरक्षात्मक उपायों को लागू किया जाए। डा. खेत्रपाल ने कहा कि आने वाले समय में वायरस में और बदलाव होंगे। यह महामारी अधिक समय तक चलेगी।

आम आदमी को बताए ये उपाय

डा. खेत्रपाल ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि लोग मास्क पहने, सुरक्षित दूरी बनाए रखें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, हाथ साफ रखें, किसी दूसरे व्यक्ति की खांसी और छींक के संपर्क में आने से बचने के लिए खुद को कवर करें। समय पर टीका लगवाएं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की लगभग 48 फीसद लोगों को अभी तक कोविड-19 वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं लगाई जा सकी है। जाहिर सी बात है कि यह संक्रमण के जाखिमों को बढ़ाता है।

वायरस आफ कंसर्न–मालूम हो कि भारत समेत विश्व के कई देशों में भीषण तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक बताए जाने वाले इस नए वैरिएंट को लेकर डब्ल्यूएचओ की सलाहकार समिति की शुक्रवार को बैठक हुई। संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी डब्ल्यूएचओ ने इसे 'वायरस आफ कंसर्न' के रूप में वर्गीकृत किया है। इस श्रेणी के वायरस को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है। डेल्टा वैरिएंट को भी इसी श्रेणी में रखा गया था।

टीका लगने के बाद भी रहें सावधान

इस वैरिएंट को लेकर बेहद ज्यादा जोखिम बताए जा रहे हैं। डा. खेत्रपाल ने सुझाव दिया कि टीका लगवाने के बाद भी सभी लोगों को सावधानी बरतनी होगी। यही वजह है कि गंभीर होते हालात को देखते हुए और भी कई देशों में इस वैरिएंट को आने से रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com